साप्ताहिक

पृथ्वी पर हम सब समय माया के यात्री हैं

समय माया

R.N.I. No.: MP/HIN/2006/20685

प्रधान संपादक- अजमेरा एस.पी. कुमार
B.COM., M.A., LLB, CAIIB, DLLLW&PM

Webite: www.samaymaya.com
Email: samaymaya@gmail.com
samaymaya@rediff.com

Cell: +91 9425125569
Phone Fax: +91 731 2530859

(C) All Copyrights reserved with chief editor, do not publish any matter without prior written permission

In case of any dispute, may be solved only in Indore Court Jurisdiction

वर्ष 17 अंक 11 प्रति सोमवार इंदौर, 16 से 22 अक्टूबर 2023 पृष्ठ 8 मूल्य 2/- रुपए

राष्ट्रों की अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद करने ठग सॉफ्टवेयर कंपनियों का षड्यंत्र

क्रिप्टो अवैध समानांतर जालसाजों की अवैध कारोबार की मुद्रा

इससे गरीब और गरीब अमीर और अमीर होने के साथ जालसाजों की ठगी का खेल

क्रिप्टोकरंसी यथार्थ में वर्तमान में जालसाज बहुराष्ट्रीय कंपनियों और इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनियों का एक जालसाजी पूर्ण अवैधानिक मुद्रा, जिसको किसी भी देश की सरकार ने भी वैधानिक लेनदेन का माध्यम नहीं बनाया है। यथार्थ मेंबड़े दो नंबर की पूंजी पत्तियां अवैध कारोबार करने वालों, जिस आय पर कर ना चुकाया गया हो जो अवैध माध्यमों से की गई आए के लेन-देन के लिए वर्तमान की इलेक्ट्रॉनिक क्रिप्टो मुद्रा जो है पूरी दुनिया में एक तरफ अवैध मुद्रा के विनिमय के साथ अवैध मुद्रा के स्थानांतरण में भी क्रिप्टन मुद्रा जो अनेकों माध्यमों से अनेकों नाम से चल रही है। उपयोग की जा रही है यथार्थ में यह मुद्रा देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने का साधन भी बन चुकी है, क्योंकि इस अवैध मुद्रा से किए गए लेन-देन पर न केवल सभी प्रकार के करों की चोरी के साथ, यह राष्ट्रों की वैध मुद्रा के समानांतर चलने के कारण यथार्थ में देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने का बड़ा कारण भी है। इसके साथ ही क्योंकि यह वैधानिक मुद्रा नहीं तो यह देश के शासकीय बैंकों में जमा नहीं की जा सकती उसके माध्यम से लाइनें नहीं किया जा सकता तो वैधानिक रूप से कर्ज के लेन-देन अवधी जमाओ भविष्य के भुगतानों में भी उपयोगी नहीं। भारत में मोदी ने आने को बार इस मुद्रा को वैधानिक बनाने का षड्यंत्र किया ताकि उनके द्वारा एकत्रित अन्य को प्रकार से लाखों-करोड़ की क्रिकेट के सट्टे, जूये, भू कॉलोनी ड्रग, यौनाचार, शराब, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के माफियाओं जुड़े

धंधों में एकत्रित की गई राशि के अंतरण संग्रहण आदि में क्रिप्टो व अन्य जुड़ी अनेकों मुद्राएं वह उनके समय अनुकूल उतार-चढ़ाव में होने वाली कमाई में पूरी दुनिया में लगभग 40 करोड़ से ज्यादा लोगों ने धन लगाकर मोटी कमाई के जो सपने देखे उसमें अनेकों डिजीटल मुद्राओं में क्योंकि सारा कारोबार अदृश्य इलेक्ट्रॉनिक मुद्रा प्रथम जिसे आसानी से हजम किया गया और जनता के लाखों करोड़ों रुपए पी लिए गए। जिसका कोई भी वैधानिक सबूत वैधानिकता ना होने के कारण निवेशकों का पूरी दुनिया में लगभग दो अरब करोड़ रूपया डूबा।

भारत में मोदी और अमित शाह इस मुद्रा को वैधानिक बनाने की तैयारी में लग रहे अकेले में नहीं उसकी दुनिया में अवैध मुद्रा जो अर्थव्यवस्था को बर्बाद करेगी केकारण रोका क्योंकि अमीरों के लिए यह साड़ी का मध्य होने के साथ-साथ गरीबों को लूट कर आसानी से हजम करने का कारण बन जाती दूसरी तरफ यदि अधिकांश कारोबार ब्लैक चैन टेक्नोलॉजी औरक्रिप्टो में होने लगातोबैंकों के खाली होने के साथ-साथ गरीबों की लंदन के साथ-साथ गरीबों गरीब अमीर और अमीर होते चला जाएगा इसलिए उसको रोकना अति आवश्यक है सरकार ने इसको वैधानिक नहीं बन सकती हो। परंतु पीछे की गली से उसकी आय पर 28% टैक्स अवश्य लगा दिया जिससे उसकी आय को एक नंबर में दिखाया जा सके इस प्रकार से अवैधानिक कृत्यों से कमाई मुद्रा को आसानी से बात बन जा सकता है और संपत्ति खरीदने में उपयोग किया जा सकता है।

जबकि सरकार को चाहिए था की तत्काल इसे अवैध घोषित कर तत्काल सभी प्रकार की डिजिटल मुद्राएं जो देश की वैधानिक मुद्रा के समानांतर कार्य कर अर्थव्यवस्था को नुकसान ना पहुंचाएं व सभी प्रकार की आय पर सरकार को पर्याप्त कर मिलता रहे।

इतिहास

1983 में, अमेरिकी क्रिप्टोग्राफर डेविड चाउम ने ईकैश नामक एक प्रकार की क्रिप्टोग्राफ़िक इलेक्ट्रॉनिक मुद्रा की कल्पना की। बाद में, 1995 में, उन्होंने इसे डिजीकैश के माध्यम से लागू किया, जो क्रिप्टोग्राफ़िक इलेक्ट्रॉनिक भुगतान का एक प्रारंभिक रूप था। डिजीकैश को बैंक से नोट निकालने और प्राप्तकर्ता को भेजे जाने से पहले विशिष्ट एन्क्रिप्टेड कुंजी निर्दिष्ट करने के लिए उपयोगकर्ता सॉफ़्टवेयर की आवश्यकता होती है। इसने डिजिटल मुद्रा को किसी तीसरे पक्ष द्वारा अप्राप्य होने की अनुमति दी।

1996 में, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने एक क्रिप्टोक्यूरेंसी प्रणाली का वर्णन करते हुए हाउ टू मेक ए मिंटः द क्रिप्टोग्राफी ऑफ एनोनिमस इलेक्ट्रॉनिक कैश नामक एक पेपर प्रकाशित किया।

(शेष पेज 3 पर)

चीन व रुस का युक्रेन के बदले का खेल

हमास के इजराइल में कोहराम व हैवानियत के पीछे चीन

नई दिल्ली। हमास 'हैवान' शी का 'बारूदी दान'! इसलिए कह रहे हैं क्योंकि इजराइल में हुए हमास के हमलों के पीछे चीन की साजिश सामने आई है। मोसाद की आंखों में धूल झोंकने की योजना चीन में बनाई गई थी। इजराइल के कवच यानी आयरन डोम को धोखा देने का प्लान भी चीन में ही बना था। हमास ने चीन में बने 7000 रॉकेट से इजरायल पर हमला किया और हमास के आतंकी चीन निर्मित पावर्ड पैराग्लाइडर के जरिए इजराइल में घुसे व बिना रुके हमले किए। इजराइल पर हुए सदी के सबसे बड़े हमले के पीछे चीन ही है, क्योंकि चीन के इस छल का खुलासा एक चीनी विश्लेषक ने ही किया है। चीनी विषलेशक जेनिफर जेंग ने खुलासा किया है कि हमास को चीन का पूरा सहयोग हासिल है। शी जिनपिंग के कार्यालय तक हमास का सीधा संबंध है। इजराइल पर सबसे बड़े

हमले से पहले भी हमास के एक बड़े आतंकी ने शी जिनपिंग के कार्यालय से संपर्क किया था। चीनी विश्लेषक जेनिफर जेंग ने खुलासा किया है कि शी जिनपिंग के दफ्तर ने इस छठे किरदार को एक खास गुप्त नाम दिया है. चीन ने हमास के कॉन्टैक्ट पर्सन को एईं- गुप्त नाम दिया है। एईं- हमास पॉलिटिकल ब्यूरो का उपाध्यक्ष है। एईं- ने चीन की रेनमिंग यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। हमास के चीनी एजेंट ने बीजिंग की यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस से भी पढ़ाई की। जेनिफर जेंग ने तो यहां तक दावा किया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मिडिल ईस्ट अफेयर हमास को सीधे सहयोग करता है। इजराइल और अमेरिका को परेशान करने के लिए चीन ने फिलिस्तीन और आतंकी संगठन हमास को न सिर्फ धन की, बल्कि इजराइल पर हमला करने के लिए हथियारों से लेकर ट्रेनिंग तक मुहैया करवाई. यानी पहले इजराइल और अब गाजा को खून से लाल करने वाला कोई और नहीं, बल्कि लाल सुल्तान की लाल सेना है।

(शेष पेज 2 पर)

एआई : एक दो नहीं, पांच तरह के होते हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को लेकर पिछले करीब एक साल से चर्चा तेज हो गई है। पिछले साल नवंबर में ओपनएआई के एआई चैटबॉट चैटजीपीटी के आते ही लोगों के बीच एआई शब्द काफी पॉपुलर हो गया। अब टेक मार्केट से लेकर बिजनेस तक और रिसर्चर से लेकर कॉलेज स्टूडेंट तक हर कोई एआई और चैटजीपीटी की बातें कर रहा है।

अधिकांश लोगों का मानना है कि यह अगली सफल टेक्नोलॉजी है। पीडब्ल्यूसी के अनुसार, एआई 2030 तक ग्लोबल अर्थव्यवस्था में 15.7 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दे सकता है। लेकिन क्या आपके पता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक कितने तरह की होती है? इस रिपोर्ट में हम आपको पांच तरह की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक के बारे में बताएंगे। चलिए जानते हैं।

मशीन लर्निंग

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में मशीन लर्निंग एक प्रमुख कंपोनेंट है। आसान शब्दों में कहें तो यह एक ऐसा एल्गोरिदम है, जो डेटा सेट को स्कैन करता है और फिर उनसे एजुकेटेड जजमेंट लेने में मदद लेता है। मशीन लर्निंग के मामले में, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर अपने काम के एक्सपीरियंस से ही सीखते हैं और फिर अपनी परफॉरमेंस में सुधार भी करते हैं। यानी मशीन लर्निंग में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर खुद को ही ट्रेंड करता है। चैटजीपीटी और बार्ड जैसे एआई टूल में नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और मशीन लर्निंग का ही इस्तेमाल किया गया है।

(शेष पेज 7 पर)

साप्ताहिक समय माया

संपादकीय

मोदी का चीन प्रेम

यह गुजराती घोर लालची मोदी तो खुद चीन का भारत में भड़वा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए जब से अमेरिका का वीजा नहीं मिला। और अमेरिका का मीडिया मोदी के खिलाफ लगातार गोधरा कांड व अन्य कांडों में इसका कड़वा सच छापते रहे, तो गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए 4 बार चीन की यात्रा की और मोटा पैसा खाकर चीनी उद्योगों को गुजरात में लाकर बसवा, गुजरात के उद्योग धंधे चौपट करवा दिए। फिर जब देश का प्रधानमंत्री बना तो तीन बार चीन की यात्रा की। सारे बड़े बड़े ठेके भारतीय कंपनियों से छीन कर चीनीकंपनियों को दिलवाये। साथ ही भारत के लघु व मध्यम उद्योगों जिसमें मुर्तियां, राखी बनाने, पटाखे फुलझड़ी यहां तक कि चीनी मांझा के साथ इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र गारमेंट, फार्मा, मशीनरी ऑटो पार्ट्स, औषधि से लेकर कोरोना मैं मांस्क दवाइयां ऑक्सी, थर्मो, बीपी लेबल नापने की लाखों करोड़ की बिक्री करवा कर इस हरामखोर चांडाल ने सफाई कैशलेस, नोटबंदी जीएसटी कोरोना की आड़ में 2 लाख करोड़ का कमीशन खा चौपट करवा दूसरी तरफ जनता को भ्रमित करने चीनी माल का बहिष्कार करने के लिए पाठ पढ़ाया जाता रहा। यही कारण था की हजारों किलोमीटर सीमाओं के उसके अतिक्रमण के बाद में भी गुजराती भेड़िए ने चीन का नाम तक नहीं लिया। और अब उसके आईटी सेल का जनता को डराने धमकाने और चुनाव जीतने के लिए पाठ पढ़ाया जा रहा है। चीन से खतरा है। खतरे का आमंत्रण तो खुले में देश के और मक्कार नौटंकीबाज भेड़िए ने स्वयं ही दिया। जब उस चीन के खिलाफ बोलने कब प्रश्न उठा तो बड़े आसानी से उसने खुद ही चीन का बचाव करते हुए कहा कोई ने हमारी सीमाओं पर अतिक्रमण नहीं किया है कोई हमारी सीमाओं में नहीं घुसा है। चीन को अतिक्रमण करने भारत की सीमा में हवाई अड्डे, सड़कें, बांध, सैकड़ों गांव बसाने, औद्योगिक विकास करने की खुली छूट दी। पूरी दुनिया अमेरिका रूस सब चिल्ला रहे हैं कि चीन भारत की सीमा में घुसकर, अपनी आर्थिक और सामरिक स्थिति मजबूत करने में लगा है और भारत के भेडिये सब जानबूझकर जिसमें ना केवल मोदी अमित शाह राजनाथ सिंह वर्ण वह विदेश मंत्री जय शंकर प्रसाद जैसा सूअर भी खुले में बोलता है इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था से हम कैसे लड़ सकते हैं खुदी ही हरामखोर पलक पावडे बिछा उसको अतिक्रमण करने की छूट दे रहे हैं। जनता को क्या चुनाव जीतने वही डर का व्यवसाय किया जा रहा है?

इण्डिया में फ्लेट है, मकान है ।।

भारत में काका है,बाबा है,दादा है,दादी है ।
इण्डिया में अंकल-आंटी की आबादी है ।।

भारत में खजूर है,जामुन है,आम है ।
इण्डिया में मेगी है, पिज्जा है, छलकते जाम है।।

भारत में मटके है, दोने है,पत्तल है।
इण्डिया में पोलिथीन, प्लास्टिक, बाटल है।।

भारत में गाय है, घी है, मक्खन है, कंडे है।
इण्डिया में चिकन है बिरयानी है अंडे है।।

भारत में दूध है,दहीं है, लस्सी है ।
इण्डिया में विस्की, कोक, पेप्सी है ।।

भारत में रसोई है,आँगन है,तुलसी है ।
इण्डिया में रूम है, कमोड की कुर्सी है ।।

भारत में कथड़ी है, खटिया है, खर्राटे है ।
इण्डिया में बेड है, डनलप है, करवटें है ।।

भारत में मंदिर है,मंडप है,पंडाल है ।
इण्डिया में पब है,डिस्को है,हाल है ।।

भारत में गीत है,संगीत है,रिदम है ।
इण्डिया में डांस है,पॉप है,आइटम है ।।

भारत में बुआ है, मोसी है,बहिन है ।
इण्डिया में सब के सब कजिन है ।।

भारत में पीपल है, बरगद है,नीम है ।
इण्डिया में वाल पर पूरे सीन है ।।

भारत में आदर है,प्रेम है, सत्कार है ।
इण्डिया में स्वार्थ है, नफरत है, दुत्कार है ।।

भारत में हजारों भाषा है, बोली है ।
इण्डिया में एक अंग्रेजी बड़बोली है ।।

भारत सीधा है,सहज है, सरल है ।
इण्डिया धूर्त है,चालाक है, कुटिल है ।।

भारत में संतोष है,सुख है,चैन है ।
इण्डिया बदहवास,दुखी,बेचैन है ।।

क्योंकि ....
भारत को देवों ने,संतों ने,वीरों रचाया है ।
इण्डिया को लालची,अंग्रेजों ने बसाया है ।।

मैं भारत हूँ ,
भारत में रहना चाहता हूँ ।
अपनी संतानों को भी,
भारत ही देना चाहता हूँ।।

गद्दी पर किस चांडाल को बिठाया?

प्रभु तूने क्या कहर ढाया।
गद्दी पर किस चांडाल को बिठाया।
क्या जुर्म था 140 करोड़ का।
पहले क्यों नहीं बताया।
सफाई के नाम पर
करोड़ों के रोजगार साफ कर दिये।
नगदी हीन के नाम पर,
सबके समंक इकट्ठे कर लिये।
नोटबंदी के नाम पर।
सबके घर खाली कर दिए।
पूंजीपतियों को सब क्यों लुटाया।
प्रभु क्या कहर ढाया।
किस चांडाल को गद्दी पर बैठाया।
वह मौज मस्ती का तांडव करता रहा।
जनता का खून पीकर,
पूंजी पतियों के घर भरता रहा।
करोड़ों के मुंह से निवाला छीना।
100 करोड़ को गरीब बनाया।
प्रभु तूने क्या कहर ढाया।
किस चांडाल को गद्दी पर बैठाया।
पूंजी पतियों को लुटाने।
फर्जी बीमारी के बहाने
तालाबंदी का तांडव करवाया।
करोड़ों मजदूर दौड़े घर को।
रास्तों पर भूख प्यास मौत का रास रचाया।
प्रभु तूने क्या कहर ढाया।
किस चांडाल को गद्दी पर बैठाया।
चारों तरफ हर पल भय बांट।
अस्पताल भरे मौतों का तांडव करवाया।
वह डॉक्टर जो जीवन देते थे।
उन्होंने लूटपाट से मौतों का जश्न मनाया।
शमशान सजा दिये।
हर पल चिताओं से रोशन करवाया।
हे प्रभु तुम्हें क्या कहर ढाया।
किस चान्डाल को गद्दी पर बैठाया।
चारों तरफ चीख-पुकार मची थी चांडाल की महफिल सजी थी।
वह अट्टहास करता रहा।
वह नए2 लिबास बदलता रहा।
गिरगिट की तरह रंग बदलता रहा।
ना आंखों में शर्म थी
न चेहरे पर नाकामी की मायूसी।
व्यस्त रहा वह तो
हर नाकामी पर नया झूठ गढ़ने में।
चिताओं की रोशनी में सजने और सवरने में।
इतना तो इतिहास में किसी राक्षस को नहीं भाया।
प्रभु तूने क्या कहर ढाया
किस चांडाल को गद्दी पर बैठाया।

कृपया इसका व्यवसायिक उपयोग ना करें यह मूल रचना प्रभु प्रेरणा से मैंने रची है।

पद्य लेखक व प्रस्तुति
प्रवीण अजमेरा

हमास के इजराइल में कोहराम व हैवानियत के पीछे चीन

पेज 1 का शेष

अब तक अमेरिका से लेकर इजराइल तक सब हैरान थे, कि हमास के पास अचानक इतने रॉकेट और गोला बारूद कहां से आ गए? हमास ने कैसे दुनिया के सबसे मजबूत वैमानिकी रक्षा प्रणाली के लोह कवच को भी नाकाम कर दिया. अब जेनिफर जेंग ने खुलासा किया है कि हमास तो सिर्फ मोहरा था. इजराइल पर हमला तो चीन ने किया था। 14 जून को फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल ने चीन का दौरा किया था। तब शी जिनपिंग ने हमास को बिना शर्त असीमित समर्थन का वादा किया था। फिलिस्तीन का जो प्रतिनिधिमंडल शी जिनपिंग से मिला था, उसमें हमास का एक बड़ा आतंकी भी शामिल था.

जेनिफर जेंग पहली शख्स नहीं हैं, जिन्होंने इजराइल पर हुए हमलों के पीछे चीन को जिम्मेदार बताया है। जेनिफर जेंग से पहले अमेरिका के सीनेटर चक शूमर ने भी इजराइल हमास संघर्ष के पीछे चीन का हाथ बताया था। इजराइल को घायल करके चीन अमेरिका को नए जंगी मोर्चे पर उलझाना चाहता है लेकिन बाइडेन इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। इसीलिए जब इजराइल के मुद्दे पर बाइडेन बोले, तो उनकी आंखों से अंगारे बरस रहे थे।

इजराइल पर हुए हमलों के पीछे चीन की हाथ होने की खबर मिलने के बाद अमेरिका इजराइल के पीछे चट्टान की तरह खड़ा हो गया है। जो बाइडेन ने जो कहा वो कर दिया है. एक तरफ इजराइल की सेना गाजा में हमास के ठिकानों पर टूट पड़ी है, तो दूसरी तरफ अमेरिकी हथियारों का पूरा जखीरा इजराइल पहुंच गया है. अमेरिकी सेना का एयरक्राफ्ट कैरियर जेराल्ड आर फोर्ड भी इजरायल के करीब पहुंच गया है। हमास के समूल विनाश की कसम खा चुके इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने जो बाइडेन को फोन करके इसके लिए धन्यवाद कहा. क्या इजरायल पर अब तक के सबसे बड़े हमले में हमास को ईरान, रूस और चीन से सीधे सहयोग सीधे सहयोग मिला? क्या ईरान, रूस और चीन ने हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग दी? क्या रूस ने हमास को रॉकेट और दूसरे हथियार बनाने की तकनीक सप्लाई की? क्या हमास द्वारा दागे गए रॉकेट बनाने में चीन के सामान का इस्तेमाल हुआ था? चीनी पत्रकार जेनिफर जेंग ने दावा किया है कि हमास ने इजराइल पर हमला करने के लिए जिन रॉकेट का इस्तेमाल किया, उसे बनाने का सामान चीन की फैक्ट्रियों में तैयार किया गया था। हमास ने इसराइलियों के बहुत ही वीभत्सता से नीचता पूर्ण तरीके से कत्लेआम ने पूरी दुनिया में जो छवि बनाई है। उसके सामने सारी दलीलें व्यर्थ हैं।

आक्रमण चीन जो मुसलमानों को नष्ट करने के लिए धन बल छल के साथ अपने हथियारों राडारों का इजरायल की सैन्य क्षमताओं शक्तियों के खिलाफ, अपने क्षमता नापने परीक्षण करने सारे षड़यंत्र कर रहा है। के इशारे व उकसावे पर इसराइल के नागरिकों का वीभत्स तरीके से कत्ले आम कर पूरी दुनिया के लोगों को डराया, दिलों में नफरत पैदा की उससे मुसलमानों को धरती से साफ करने की मानसिकता विकसित हुई। वैसे भी कुरान में लिखा हुआ 1400 साल के बाद इस्लाम खत्म हो जाएगा तो अपने हाथों से ही इस्लाम को खत्म करने मुस्लिम आतंकियों ने वीभत्सता का प्रदर्शन किया। जहां तक चीन रूस का सवाल है तो मुसलमानों को समझना चाहिए? कि उनके देश में चीन ने उइगर मुसलमानों की क्या हालत कर रखी है? वही हाल रूस का है। वीभत्सता के वीडियो पूरी दुनिया में चले और जिसने भी देखें उसके मन में भी बदला लेने और साफ करने की भावना को बलवती बना दिया। फिर चाहे हिजबुल हो, आईएसआईएस तालिबान, बोको हरम सब में आम इंसान ही है। सब का जन्म हुआ है। मृत्यु निश्चित है। कोई अमर नहीं। हर धर्म अहिंसा, शांति, सौम्यता, दूसरों की सहायता से मानव जीवन गुजर बसर करने की सलाह देता है। बेशक अमेरिका चीन रूस अपने हथियार बेंचने सबको पालते हैं उकसाते हैं। युद्ध करवाते हैं।

ताकि उनके हथियार भी बिकें और हथियारों के उपयोग से उनकी क्षमताओं को नापने का परीक्षण कार्य करते रहते हैं।

यह युद्ध करने वालों को सोचना होगा कि वे कैसे जीना चाहते हैं?

नर्मदा घाटी भ्रष्टाचार प्राधिकरण में अध्यक्ष से उपयंत्री तक भ्रष्टों का अड्डा

अधिकांश परियोजनाएं अधूरी में दुगना धन व समय खर्च

नर्मदा घाटी भ्रष्टाचार प्राधिकरण में अध्यक्ष भारतीय प्रताड़ना सेवा अधिकारी इकबाल सिंह बैंस उपाध्यक्ष एस एन मिश्रा जो सदस्य पुनर्वास भी है। दोनों ही न केवल घोर भ्रष्ट जालसाज देश विदेश में हजारों करोड़ की संपत्तियों के मालिक हैं। इसी प्रकार यह दोनों इंटरेस्ट अपने भ्रष्टाचार के लिए ईई पीके शर्मा को जल संसाधन विभाग से इसी लिए लाये और उसे सदस्य वित्त व अभियांत्रिकी बनाया ताकि वह इनके हर भ्रष्टाचार जालसाजियों को आंख मींच कर स्वीकार कर मनचाहा धन देता रहे। यही कारण है कि उस ने भी पूर्व के घोर भ्रष्ट विनोद देवड़ा अधीक्षण यंत्री को प्रभारी मुख्य अभियंता भोपाल पावर और निचली नर्मदा परियोजनाएं इंदौर बना दिया। जिसे पूर्वमें मैं इस हरामखोर को अधीक्षण यंत्री खरगोन विकास मंडल से भ्रष्टाचार के कारण पुनः इसके मूल पद कार्यपालन यंत्री के पद पर जल संसाधन विभाग में भेज दिया गया था। जिसके पास अभी लगभग 30000 करोड़ से ज्यादा की योजनाएं चल रही हैं। जैसा कि पूर्व में लिखा जा चुका है कि अकेले ओंकारेश्वर बांध की दांई बाई नहर का कार्य पिछले 15 साल से टर्न की प्रोजेक्ट होने के बाद में भी समय विस्तार और महंगाई भुगतान में लागत से दो गुना ज्यादा भुगतान करने के बाद में भी अधूरा है। और निचली नर्मदा परियोजनाओं में उपस्थिति देने के बाद फिर से भ्रष्टाचार के लिए पद की अहंकारी ने नौटंकी दिखाना शुरू कर दिया। सूचना के अधिकार में 18 साल के बाद मेंभी 17 व 8 कुल 25 बिंदुओं की जानकारी जिसमें कौन से प्रोजेक्ट में कितना काम हुआ कितना धन भुगतान हुआ, कार्यो की नाप पुस्तिका, बिलों के साथ-साथ सारे इंजीनियरों की भर्ती के आधार उच्चतर माध्यमिक स्कूल महाविद्यालय की शिक्षा की अंक सूचियां, जाति प्रमाण पत्र, लॉग बुक, निविदायें, स्वीकृति, दायित्व आदि 25 बिंदुओं की जानकारी अपनी साइट पर सार्वजनिक रूप से खुलने वाले विभाग की शीर्षक किस साइट पर अपलोड करना चाहिए। यहां पर संभाग क्रमांक 32, 8, कुक्षी मनावर धामनोद नहर विकास संभाग, 10 व 11 मंडल की जानकारियां अपलोड ना करने के साथ-साथमांगने परभीयहां के घोर भ्रष्ट इंजीनियरों द्वारा वर्षों के बाद भी इसलिए नहीं दी गई क्योंकि कदम कदम पर सभी प्रकार केभ्रष्टाचार किए जा रहे हैं। जिनकी स्वतंत्र तकनीकी संस्था से तकनीकी कार्य स्थल का तकनीकी अंकेक्षण करवाया जाकर भ्रष्टों पर शीघ्र उचित कार्रवाई की जानी चाहिए ताकिसारी परियोजनाएं उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाकर कृषि के लिए सिंचाई की व्यवस्था की जा सके।

नर्मदा घाटी डकैत प्राधिकरण मैं अभी यात्री की सदस्यपीके शर्माजो यथार्थ में कार्यपालन यंत्री था। मोटा पैसा देकर भ्रष्टाचार करवाने डफर को सदस्य अभियांत्रिकी बना दिया गया जो न्यूनतम मुख्य अभियंता होना चाहिए था। जल संसाधन विभाग कामुख्य अभियंता बनेहीमोटा पैसा खर्च कर जो उसमें भ्रष्टाचार से कमाया था।सदस्य अभियांत्रिकी बना दिया गया। क्योंकि यहां पर पूरे प्रदेश भर में लगभग 1 लाख करोड़ की है। पूरे मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार से भ्रष्टाचार के लिए चलाई जा रही है। क्योंकि जब 1970 में मध्य प्रदेश जल संसाधन विभाग में उद्योग जल उद्गम परियोजनाओं कोभारी बिजली के खर्चा रखरखावआदि के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था तो क्यों देश में अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनियांके सारे पर विश्व बैंक का लाखों करोड़ का कर्ज लेकर पूरे देश के अधिकांश प्रदेशों में लिफ्ट इरीगेशन के नाम पर बड़ी-बड़ी परियोजना बनाकर जिसमें 20 से 40% कमीशन होता है। बनाई जा रही है।

नर्मदा नागलवाडी उद्ववहन सिंचाई परियोजनाः नर्मदा नागलवाडी उद्ववहन सिंचाई परियोजना, ग्राम ब्राहमणगांव से नर्मदा (सरदार सरोवर जलासय) से पानी उठाया जायेगा। नर्मदा से 35 किलो मीटर की दूरी पर सांगवी गांव में एक और पम्प हाउस बनाया जायेगा वहां से आगे पानी का बटवारा होगा। मुख्य पाइप लाइन की लम्बाई 119 किलो मीटर बताई गई है। जिससे राजपुर, सेंधवा, तहसील जिला बडवानी और खरगोन जिले की सेगांव तहसील के कुल 66 गांवो में सिंचाई और पीने का पानी के लिये योजना का लाभ बताया है। 38412 हेक्टेयर में सिंचाई होगी।परियोजना की कुल लागत- 1118.3 करोड है।

जहां जेकवेल बनाया जा रहा है वहां 10-15 गरीब किसानों की जमीन है, जिन्हे आज तक न तो सूचना पत्र दिया, और उनकी कितनी जमीन जा रही है यह भी नही बताया है। जेकवेल से आगे की ओर पाइप लाइन किसानों की जमीन से जायेगी उन्हे भी अबतक कोई लिखित सूचना नही दी है। जेकवेल की जगह पर खुदाई का कार्य किया जा रहा हैं। उक्त स्थान पर मिटटी के निचे बालू रेत निकली है जिसका सेगवाल (ठीकरी) निवासी मयुर यादव ठेकेदार द्वारा खनन कर बाहर बेच रहा हैं।

नागलवाडी माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्य के पहले सामाजिक असर, क्या होगें, इसका अध्ययन करना था जो न करते हुये कार्य चालु किया है। ग्राम सभा में गांव के किसानों से सहमति लेना यह सबकुछ न करते हुये कार्य आगे बढाया है। डी.पी.आर. में चीचली से उठायेगें लेकिन कार्य ब्राहमणगांव से चालु करना यह सब कैसे इतनी जल्दी बदल रहा है। जिन प्रभावितों की जमीन जा रही है उन्हे नये भूअर्जन कानून 2013 के तहत अधिग्रहण की प्रक्रीया करके मुआवजा राषि देना था वह भी अबतक नही किया है। ब्राहमणगांव से आगे दाबड, कुवां, डांगरी बघाडी टेमला से सांगवी गांवों से होकर बरूफाटक होते हुये नागलवाडी की ओर जायेगी।नर्मदा से कुवां तक बहुत सारे किसानों की पाइप लाइने है जो खुदाई के दौरान बाधीत होगी। जिससे यहा के किसानों की फसल उपज पर असर पडेगा।

योजना के डी.पी.आर. में पहले ग्राम चीचली तहसील ठीकरी जिला बड़वानी से पानी उठाने का बताया गया था लेकिन अभी एलायमेंट बदलकर ग्राम ब्राहमणगांव तहसील ठीकरी से पाईपलाईन का कार्य जेकवेल बनाने का कार्य शुरू किया है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिह चैहान ने जब घोषणा की थी तब अखबारो की खबर ओर वेबसाईट पर इंदिरा सागर परियोजना की मुख्य नहर से पानी उठाकर सिंचाई करने की खबर थी, वह भी बदल गई। डी.पी.आर. में नर्मदा में कुल पानी की उपलब्धता 28 एमएएफ बताया जिसमें से सिर्फ 18.25 एमएएफ मध्यप्रदेश के हिस्से का पानी बताया गया है। लेकिन आज नर्मदा के उपर बर्गी, इंदिरा सागर, ओकारेश्वर महेश्वर, और सहायक नदियों पर बने बांधो व कम बारीष और आज जलवायु परिवर्तन को देखते हुये नर्मदा में पानी की उपलब्धता क्या है इसकी जांच न करते हुये नर्मदा से कई लिंक परियोजनाओं द्वारा जैसे नर्मदा क्षीप्रा लिंक, मालवा गंभीर लिंक परियोजना, कालीसिंध लिंक परियोजना, नर्मदा पार्वती, नर्मदा चंबल, नर्मदा माण्डु, नर्मदा माही, ओर इंदिरा सागर परियोजना से लिफ्टकी जाने वाली माईक्रो सिंचाई परियोजनाएं जैसे छेगाव माखन सिंचाई परियोजना बिस्टान सिंचाई परियोजना, खरगोन सिंचाई परियोजना, बलकवाड़ा सिंचाई परियोजना, और नागलवाड़ी सिंचाई परियोजना, ओर नीचे पाटी सिंचाई परियोजना इतनी परियोजनाओं के द्वारा नर्मदा से पानी खींच कर अन्य नदियों में डालना, बिना पानी की उपलब्धता को देखते हुये पाइपलाईनो का जांल बिछाया जा रहा है, आज नर्मदा में पानी की स्थिति दिनोदिन गंभीर होती जा रही है, इसलिए वर्ष 2018 में मार्च से जुलाई तक नर्मदा के पानी की स्थिति को देखते हुये नर्मदा के किनारे के ही किसानो की लगी पाइप लाईनो में पानी की कमी महसूस की गई। और कुछ जगह तो नर्मदा में ही गढढे करके पाइप लाईनो में पानी की व्यवस्था किसानो को करनी पडी थी। वर्तमान में भी किसानों को पानी की कमी को देखते हुये पाइप आगे बढा कर नर्मदा तल से पानी खीचना पड रहा है, तो फिर अगर इतनी लिफ्टपरियोजनाओं से अगर नर्मदा से पानी को उठाया जायेगा तो क्या नर्मदा किनारे के किसानो को सिंचाई और पीने के लिये पर्याप्त पानी मिल पायेगा? यह बड़ा सवाल है। यह बड़ा सवाल आज भी खड़ा हैं। नर्मदा बचाओ आन्दोलन का शासन से ऐलान है कि पिछली सरकार द्वारा घोषित हुई नर्मदा से लिंक परियोजनाओं का लाभ हानि एवं पानी की उपलब्धता का पूरा जायजा लेते हुए इन लिंकस का पुनर्मूल्यांकन किया जाए। आज ही नर्मदा तथा उसकी कई उपनदियाँ सूखी हैं तथा इंदिरा सागर व सरदार सरोवर के जलाशयों से लाभार्थी घोषित किये किसानों को भी सही समय पर पर्याप्त पानी नहरों द्वारा प्राप्त नहीं हो रहा हैं। इस स्थिति में निमाड़ के असिंचित किसानों को पानी की पूरी निश्चिती करने के बाद ही नर्मदा से अन्य नदियों तक पानी ले जाने की बात पर सोचना संभव होगा अन्यथा योजना अवैज्ञानिक तथा प्रस्तावित लाभार्थियों के लिए धोका धडी साबित होगी।

नर्मदा बचाओ आन्दोलन यह भी जनता हैं कि कांग्रेस शासन के ही काल में जो 2013 का उचित मुआवजा, भू-अधिग्रहण तथा पुनर्वास का कानून बना था, उसी कानून के तहत इन परियोजना के सम्बन्ध में पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए न्याय होना यह पूर्व शर्त होगी। प्रभावितों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

- मुकेश भगोरिया, देवराम कनेरा, कमला यादव, राहुल यादव, मेधा पाटकर

क्रिप्टो अवैध समानांतर जालसाजों की अवैध कारोबार की मुद्रा

पेज 1 का शेष

पेपर पहली बार एमआईटी मेलिंग सूची में प्रकाशित हुआ था। और बाद में 1997 में द अमेरिकन लॉ रिव्यू में प्रकाशित हुआ था।

1998 में, वेई दाई ने 'बी-मनी', एक गुमनाम, वितरित इलेक्ट्रॉनिक नकदी प्रणाली का वर्णन किया। इसके तुरंत बाद, निक स्जाबो ने बिट गोल्ड का वर्णन किया। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह, जो इसका अनुसरण करेंगे, बिट गोल्ड (बाद के सोने-आधारित एक्सचेंज बिटगोल्ड के साथ भ्रमित नहीं होना) को एक इलेक्ट्रॉनिक मुद्रा प्रणाली के रूप में वर्णित किया गया था, जिसके लिए उपयोगकर्ताओं को क्रिप्टोग्राफ़िक रूप से एक साथ रखे गए समाधानों के साथ कार्य फ़ंक्शन का प्रमाण पूरा करने की आवश्यकता होती है और प्रकाशित।

जनवरी 2009 में, बिटकॉइन को छद्म नाम डेवलपर सातोशी नाकामोटो द्वारा बनाया गया था। इसने अपनी प्रूफ़-ऑफ़-वर्क योजना में SHA-256, एक क्रिप्टोग्राफ़िक हैश फ़ंक्शन का उपयोग किया। 21-22. अप्रैल 2011 में, विकेंद्रीकृत DNS बनाने के प्रयास के रूप में नेमकॉइन बनाया गया था। अक्टूबर 2011 में, लाइटकॉइन जारी किया गया था जिसमें SHA-256 के बजाय स्क्रिप्ट को अपने हैश फ़ंक्शन के रूप में उपयोग किया गया था। अगस्त 2012 में बनाए गए पीरकॉइन में प्रूफ़-ऑफ़-वर्क और प्रूफ़-ऑफ़-स्टेक का मिश्रित उपयोग किया गया।

क्रिप्टोकरेंसी विकास और गिरावट के कई दौर से गुजरी है, जिसमें कई बुलबुले और बाजार दुर्घटनाएं शामिल हैं, जैसे कि 2011, 2013-2014–15, 2017-2018 और 2021–2023। 6 अगस्त 2014 को, यूके ने घोषणा की कि उसके ट्रेजरी ने क्रिप्टोकरेंसी का एक अध्ययन शुरू किया है, और वे यूके की अर्थव्यवस्था में क्या भूमिका निभा सकते हैं, यदि कोई हो। अध्ययन में यह भी बताया जाना था कि क्या विनियमन पर विचार किया जाना चाहिए। इसकी अंतिम रिपोर्ट 2018 में प्रकाशित हुई थी, और इसने जनवरी 2021 में क्रिप्टोकरंसी और स्टैब्लॉक्स पर एक परामर्श जारी किया था।

जून 2021 में, अल साल्वाडोर बिटकॉइन को कानूनी निविदा के रूप में स्वीकार करने वाला पहला देश बन गया, विधान सभा ने राष्ट्रपति नायब बुकेले द्वारा क्रिप्टोकरेंसी को वर्गीकृत करने वाले बिल को पारित करने के लिए 62-22 वोट दिए थे।

अगस्त 2021 में, क्यूबा ने बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी को मान्यता देने और विनियमित करने के लिए संकल्प 215 का पालन किया।

सितंबर 2021 में, क्रिप्टोकरेंसी के सबसे बड़े बाजार चीन की सरकार ने सभी क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन को अवैध घोषित कर दिया। इसने क्रिप्टोकरेंसी पर कार्रवाई पूरी की, जिसने पहले चीन के भीतर बिचौलियों और खनिकों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

15 सितंबर 2022 को, उस समय दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, एथेरियम ने 'द मर्ज' नामक अपग्रेड प्रक्रिया में अपने सर्वसम्मति तंत्र को प्रूफ-ऑफ-वर्क (पीओडब्ल्यू) से प्रूफ-ऑफ-स्टेक (पीओएस) में बदल दिया। एथेरियम के संस्थापक के अनुसार, अपग्रेड एथेरियम के ऊर्जा उपयोग और कार्बन-डाइऑक्साइड उत्सर्जन दोनों में 99% की कटौती कर सकता है। 11 नवंबर 2022 को, एफटीएक्स ट्रेडिंग लिमिटेड, एक क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज, जो एक क्रिप्टो हेज फंड भी संचालित करता था, और इसका मूल्य 18 बिलियन डॉलर था, ने दिवालियापन के लिए दायर किया। जैसा कि रिपोर्ट किया गया है, पतन का वित्तीय प्रभाव तत्काल एफटीएक्स ग्राहक आधार से आगे बढ़ गया है,ड35.जबकि, एक रॉयटर्स सम्मेलन में, वित्तीय उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि 'नियामकों को क्रिप्टो निवेशकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाना चाहिए।'

प्रौद्योगिकी विश्लेषक अवीवा लिटन क्रिप्टोकरेंसी पारिस्थितिकी तंत्र पर टिप्पणी की कि 'उपयोगकर्ता अनुभव, नियंत्रण, सुरक्षा, ग्राहक सेवा के संदर्भ में हर चीज़ में नाटकीय रूप से सुधार करने की आवश्यकता है।'

साप्ताहिक समय माया

अंतिम कॉल नवरात्रिः देवी शक्ति की अंतिम नौ रातें

नकारात्मकता को नष्ट करने और जीवन में शक्ति, समृद्धि और प्रगति प्रदान करने के लिए दिव्य स्त्री ऊर्जा के 28 रूपों के उत्कृष्ट आशीर्वाद का आह्वान करें... राक्षसों, चांडालों, आतंकियों को इस नवरात्रि में शक्तियों को विकसित कर नष्ट करो... भय त्याग आक्रामक हो सफलताओं को करो मुट्ठी में... ध्यान पूजा और शक्ति संचयन से अपनी आध्यात्मिक तांत्रिक मानसिक शक्तियों को विकसित करो...

राक्षसों, चांडालों, आतंकियों को इस नवरात्रि में ध्यान पूजा और शक्ति संचयन से अपनी आध्यात्मिक तांत्रिक मानसिक शक्तियों को विकसित कर नष्ट कर दो। जब सनातन धर्म में इतनी सारी व्यवस्थाएंहमारे पूर्वजों ऋषि मुनियों ने हमें सभी हैं तो हम उनका सदुपयोग क्यों नहीं करते और क्यों गली मोहल्ले के गुंडो से लेकर देश की सत्ता में बैठे राक्षसों तक सब को अपनी मस्तिष्क की तरंगों और इच्छा शक्ति से ही नष्ट कर सकते हो। बस भय त्याग दो और आक्रामक होकर न केवल शक्ति संचयन करो जीवन में सफल होने के लिए।

भय त्याग आक्रामक बनो

धर्म से शक्ति संचयन कर भय त्यागो और आक्रामक बन जाने से व्यक्ति परिवार समाज और धर्म के सामने दुनिया सर झुका कर खड़ी होगी और धर्मशक्ति संचयन महादेवियों की आराधना भाई दूर करेगी और आक्रमांक बनाएगी तभी आप अपने आप का परिवार कासमाज का और धर्म का उत्थान कर पाएंगे मुस्लिम भी है तो हमारी तरह साधारण तो फिर उनसे भाई क्योंजिस दिन आप भाई त्याग अटका हो गए उसे दिन क्या मुस्लिम और क्या अमेरिका और क्या बकवास की कंपनियां सब आपके सामने सर झुका कर खड़ी होगी और विजय आपकी होगी तब आप यथार्थ में इसके नेतृत्व करने वाले अग्रणी राष्ट्र होंगे। दुनिया में किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत उन्नति से लेकर समाज और धर्म की उन्नति में सबसे महत्वपूर्ण हर व्यक्ति कीजो समाज की महत्वपूर्ण वबड़ी इकाई होता है की मानसिकता परनिर्भर करता है और सारी मानसिकता भाई और आगे बढ़ाने की नियत कितनी मेहनत करता है स्वाभाविक है हिंदू समाज अत्यधिक विकसित समृद्ध होने के बाद में भी आकर्षक कहा रहा है। आखिर पिछड कहां रहा है।

एस्ट्रोवेद विशेष सेवाओं के साथ देवी के 28 रूपों का आह्वान करने के लिए 159 भव्य नवरात्रि समारोह आयोजित करेगा, जिसमें 13 भव्य अग्नि प्रयोगशालाएं, 7 सप्त मातृकाओं (मातृ देवियों) को समर्पित 7 अग्नि प्रयोगशालाएं और 6 रूपों के लिए 6 अग्नि प्रयोगशालाएं शामिल हैं। देवी ट्रिनिटी, और 146 देवी शक्तिस्थल पूजा, विशेष पूजा और जलयोजन समारोहों द्वारा समर्थित, आपको प्रतिकूल परिस्थितियों से उबरने, ऋण और वित्तीय संकट को नष्ट करने, पारिवारिक कल्याण और रिश्ते के आनंद को बढ़ाने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए दिव्य ज्ञान, शक्ति और दृढ़ संकल्प प्रदान करने में मदद करती है। परिणाम प्रकट करें, और एक समृद्ध और खुशहाल जीवन जिएं।

पवित्र ग्रंथ देवी महात्म्यम के अनुसार, सप्त मातृका, अजेय ऊर्जा, अपार साहस, दिव्य बुद्धि और अद्वितीय शक्तियों वाली सात मातृ देवियां, दुनिया को परेशान करने वाली राक्षसी ताकतों को नष्ट करने में देवी की मदद करने के लिए प्रकट हुईं। पवित्र ग्रंथों में उनका वर्णन स्वायत्त महिला योद्धाओं और देवताओं की पत्नी के रूप में किया गया है जो सभी प्रकार की नकारात्मकताओं को दूर करने में मदद करती हैं, सुरक्षात्मक और परोपकारी माताएं हैं जो अपने भक्तों के भौतिक और भौतिक कल्याण की देखभाल करती हैं, और आध्यात्मिक मार्गदर्शक और उपदेशक जो ज्ञान और सुधार में मदद करते हैं।

पवित्र ग्रंथों के अनुसार, नवरात्रि के दौरान, सबसे बड़े देवता भी सुरक्षा, शक्ति और सफलता के लिए उन्हें आशीर्वाद देने के लिए सर्वोच्च देवी का आह्वान करते हैं। सर्वशक्तिमान शक्ति अपनी नौ रातों की शक्ति के दौरान विभिन्न अद्वितीय और शक्तिशाली रूप धारण करती है। दशमी- परम विजय का 10वां दिन) सभी प्रकार की नकारात्मकता को मिटाने के लिए, आपकी रचनात्मक क्षमता को जगाने के लिए, आपको मानव जीवन की उच्चतम उपलब्धियों का आशीर्वाद देने के लिए, और आपके भीतर देवी ऊर्जा को सशक्त करके व्यापक और जीवन-परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए।

सप्त मातृका	मूल पहचान	अनोखा आशीर्वाद
ब्रह्माणी आनंद मूर्ति	ब्रह्मा की स्त्री ऊर्जा जो सृजन और बुद्धि की शक्ति है	बुद्धि और अच्छी वाणी प्रदान करता है नाम और प्रसिद्धि देता है दिव्य सुरक्षा और मन की शांति प्रदान करता है
माहेश्वरी परा शक्ति	शिव की स्त्री ऊर्जा जो पारलौकिक शक्ति है	नकारात्मकता को दूर करता है जीवन की समस्याओं का समाधान करता है स्वस्थ, समृद्ध और सफल जीवन जीने में मदद करता है
कौमारी क्रिया शक्तिनि	मुरुगा की ऊर्जा जो कार्य, महत्वाकांक्षा और वीरता की शक्ति है	संघर्षों और ऋणों से उबरने में मदद करता है ग्रह एवं संबंध संबंधी कष्टों से मुक्ति मिलती है साहस और आत्मविश्वास प्रदान करता है
वैष्णवी सत्य रूपिणी	विष्णु की स्त्री ऊर्जा जो सत्य का अवतार है	खुशी और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करता है समग्र समृद्धि का आशीर्वाद दुर्घटनाओं और खतरों से सुरक्षा देता है
वाराहि सत्य एकाकिनी	वराह की स्त्री ऊर्जा (विष्णु का सूअर जैसा अवतार) जो सुरक्षा और समृद्धि की शक्ति है	वरदान/मंगलकामनाएँ प्रदान करता है शत्रु की धमकियों, नकारात्मक ऊर्जा और दुर्भाग्य से सुरक्षा समृद्धि प्रदान करता है
इंद्राणी मुक्ति नियंत्री	आदर्श इंद्र की स्त्री ऊर्जा जो आत्मज्ञान की ओर मार्गदर्शन करती है	भौतिक सुख और आध्यात्मिक आनंद प्रदान करता है। जोड़ों और एक अच्छे जीवन साथी के बीच घनिष्ठता प्रदान करता है। आपको लक्ष्य पूरा करने में मदद करता है
चामुंडा परिअंगनाथ	देवी चंडी की शक्ति (ऊर्जा) जो पवित्र सभा की राज्यपाल हैं	बुरी नज़र, काले जादू और हानिकारक ग्रहों के प्रभाव से बचाता है। भ्रम, भय और झूठ को दूर करता है। प्रयासों और मुक़दमे में सफलता देता है

देवी त्रिमूर्ति के 6 सर्व-शक्तिशाली रूपों के लिए 6 भव्य अग्नि प्रयोगशालाएँ

तीसरा दिन : 4-पुजारी दुर्गा सहस्त्रनाम और दुर्गा सूक्तम जप और कात्यायनी अग्नि यज्ञ

5वां दिन : 4-पुजारी ललिता सहस्त्रनाम जप और श्री विद्या पंचदशाक्षरी मंत्र अग्नि प्रयोगशाला

छठा दिन : 4-पुजारी अष्टलक्ष्मी माला मंत्र जाप और अष्टलक्ष्मी अग्नि यज्ञ

8वां दिन : 4-पुजारी परम संरक्षिका प्रत्यंगिरा देवी अग्नि प्रयोगशाला

9वां दिन : 4-पुजारी सरस्वती अष्टकम जप और अंतरिक्ष सरस्वती अग्नि प्रयोगशाला

विजय का 10वां दिन : 9-पुजारी नकारात्मकता-विनाशकारी चंडी अग्नि प्रयोगशाला

तीसरा दिन

दुर्गा सहस्त्रनाम अर्चना (दुर्गा के 1000 दिव्य नामों का आह्वान करते हुए पूजा), दुर्गा सुक्तम (सुरक्षा, बाधा-निवारण और समृद्धि के लिए भजन) और पारिवारिक कल्याण और रिश्ते के आनंद के लिए 4-पुजारी कात्यायनी अग्नि प्रयोगशाला

दुर्गा सुरक्षात्मक मातृ देवी हैं, जिन्हें शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है, जो महिषासुर नामक राक्षस को हराने के लिए त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु और शिव) की रचनात्मक ऊर्जा से प्रकट हुईं।

उनके पवित्र भजन, दुर्गा सहस्त्रनाम और दुर्गा सूक्तम, उन्हें युद्ध में अजेय, सुरक्षा का एक अभेद्य किला, बुराई और दुश्मनों का अदम्य विनाशक और कष्टों, दुखों और परेशानियों को शीघ्र दूर करने वाला बताते हैं।

देवी कात्यायनी नवदुर्गाओं में छठी आदि पराशक्ति का एक रूप हैं और उन्हें एक योद्धा देवी के रूप में जाना जाता है। पवित्र ग्रंथों के अनुसार, उन्हें बेहद सुंदर और राजसी, अपने भक्तों के प्रति अत्यधिक दयालु, उनकी सभी समस्याओं को नष्ट करने वाली और उनकी गंभीर इच्छाओं को पूरा करने वाली, विशेष रूप से परिवार और बाल कल्याण और रिश्ते के आनंद से संबंधित बताया गया है।

इस शक्तिशाली देवी के लिए अग्नि यज्ञ करने के साथ-साथ दुर्गा के पवित्र नामों का जाप करने से निम्नलिखित आशीर्वाद प्राप्त हो सकते हैं

- अच्छा स्वास्थ्य, संतान, धन और प्रचुर रचनात्मक ऊर्जा प्रदान करता है
- बुरे सपनों, शत्रुओं की धमकियों और प्रतिकूल ग्रहों के प्रभाव से सुरक्षा प्रदान करता है
- प्रगति, तनाव, चिंता, चिंता और भय में आने वाली बाधाओं को दूर करता है
- वित्तीय स्थिरता लाता है और पेशे और व्यवसाय में हानि को रोकता है
- बुरी नज़र, नकारात्मक ऊर्जा और काले जादू से बचाता है
- उपयुक्त साथी की तलाश में आने वाली बाधाओं को दूर करता है
- शांति, खुशी और पारिवारिक खुशहाली लाता है

17 अक्टूबर, 2023 को शाम 6.00 बजे IST पर लाइव

5वां दिन (ललिता पंचमी)

ललिता सहस्त्रनाम (देवी ललिता के 1000 नाम) सकारात्मकता, सद्भाव और समृद्धि के लिए 4-पुजारियों के साथ श्री विद्या पंचदशाक्षरी मंत्र अग्नि प्रयोगशाला का जाप

ब्रह्माण्ड पुराण के अनुसार, ललिता सहस्त्रनाम एक पवित्र भजन है जिसमें देवी ललिता त्रिपुर सुंदरी के 1000 अद्वितीय नाम शामिल हैं, जिन्हें ज्ञान के सर्वोच्च आदर्श हयग्रीव ने ऋषि अगस्त्य को सिखाया था। इसमें देवी की महिमा श्रीमाता, अतुलनीय धन देने वाली, सभी दुखों को दूर करने वाली और केवल सुख देने वाली, विघ्न नासिनी (बाधाओं को दूर करने वाली) और कामदुख (इच्छाओं को पूरा करने वाली) के रूप में की गई है।

विद्या पंचदशाक्षरी मंत्र देवी ललिता त्रिपुर सुंदरी का पंद्रह अक्षरों वाला ध्वनि रूप है जिसमें सभी देवताओं की शक्तिशाली शक्तियां समाहित हैं। इस भजन का जाप करके अग्नि यज्ञ करने से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मिल सकता है, आप ऊर्जा से भर सकते हैं और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपकी इच्छाशक्ति को बढ़ा सकते हैं, सामंजस्यपूर्ण रिश्ते प्रदान कर सकते हैं, और अच्छे व्यवहार और सच्ची आध्यात्मिक प्रगति को सक्षम कर सकते हैं।

- मनोकामनाएं पूरी करता है और भौतिक प्रगति प्रदान करता है
- उच्च बुद्धि प्रदान करता है और कार्य एवं गतिशीलता को बढ़ाता है
- पापों, कर्मों, कष्टों और बुराइयों का नाश करता है
- बुरी शक्तियों के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करता है
- दीर्घायु प्रदान करता है और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है

19 अक्टूबर, 2023 को शाम 6.00 बजे IST पर लाइव

6वें दिन

अष्टलक्ष्मी माला मंत्र (8 गुना धन और अच्छे भाग्य आशीर्वाद के लिए लक्ष्मी के 8 रूपों की स्तुति में स्तोत्र) 4-पुजारियों के साथ अष्टलक्ष्मी अग्नि प्रयोगशाला का जाप

अष्टलक्ष्मी, लक्ष्मी की आठ प्राथमिक अभिव्यक्तियाँ हैं। ऐसा माना जाता है कि लक्ष्मी के आठ रूप अपनी व्यक्तिगत प्रकृति और अद्वितीय वरदान देने वाली शक्तियों के माध्यम से मानवीय इच्छाओं और आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं।

अष्टलक्ष्मी माला मंत्र आठ शक्तिशाली रूपों और उनकी शक्तियों में से प्रत्येक का नाम बताता है: आदि लक्ष्मी (प्रधान धन की देवी), धन लक्ष्मी (समृद्धि और धन की देवी), धान्य लक्ष्मी (खाद्य अनाज और पोषण की देवी), गज लक्ष्मी (शक्ति की देवी) और अधिकार), संताना लक्ष्मी (संतान की देवी), धैर्य लक्ष्मी (साहस और वीरता की देवी), विजया लक्ष्मी (विजय और फोकस की देवी), और विद्या लक्ष्मी (ज्ञान की देवी)

लक्ष्मी के इन आठ रूपों की अग्नि पूजा करने से निम्नलिखित आशीर्वाद प्राप्त हो सकते हैं

- भाग्य, सौभाग्य, अधिकार, प्रसिद्धि, वाहन और समृद्धि देता है
- कर्ज के बोझ और व्यापार में घाटे को दूर करने में मदद करता है
- प्राकृतिक आपदाओं और आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करता है
- चुनौतियों का सामना करने और बाधाओं पर काबू पाने के साहस का आशीर्वाद
- प्रयासों में विजय प्रदान करता है
- ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को बढ़ावा देता है
- बच्चों की भलाई सुनिश्चित करता है

20 अक्टूबर, 2023 को शाम 6.00 बजे IST पर लाइव

8वां दिन (दुर्गाष्टमी दिवस)

नकारात्मकता को नष्ट करने और दिव्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए 4-पुजारी प्रत्यंगिरा देवी अग्नि प्रयोगशाला

देवी प्रत्यंगिरा देवी सर्वोच्च देवी का एक उग्र रूप हैं जिन्हें महाशत्रु नाशिनी (शत्रुओं का विनाशक), अथर्वना भद्रकाली (अथर्ववेद और जादुई मंत्रों की शासक देवी) और नरसिम्ही के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने नरसिम्हा के क्रोध को शांत किया था।

उन्हें मोक्ष माता, या मुक्ति की माता, और धर्म (धार्मिकता), सत्य (सत्य) और न्याय का अवतार कहा जाता है। वह श्री चक्र से भी जुड़ी हैं, और उनकी भूमिका अपने भक्तों की रक्षा करना और उन्हें सही रास्ते पर मार्गदर्शन करना है

- शत्रुओं, प्रतिकूल खतरों, काले जादू और बुरी नजर को नष्ट करता है
- आंतरिक और बाह्य शत्रुतापूर्ण ताकतों के हानिकारक प्रभावों को नकारता है
- दुर्घटनाओं, दुर्भाग्य और दृष्टि दोष (बुरी नज़र के कारणहोने वाले कष्ट) से बचाता है
- प्रयासों में सफलता और अच्छे स्वास्थ्य को सशक्त बनाता है
- शांति और खुशी प्रदान करता है

इस शक्तिशाली अग्नि प्रयोगशाला से पहले 9 कन्याओं की विशेष पूजा की जाती है, जो युवावस्था से पहले दिव्य स्त्री ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती हैं।

22 अक्टूबर, 2023 को शाम 4:00 बजे IST पर लाइव

9वां दिन (दुर्गानवमी दिवस)

सरस्वती अष्टकम (सरस्वती की स्तुति में अष्टक) अच्छी वाणी, बुद्धि और ज्ञान के लिए 4-पुजारियों के साथ अन्तरिक्ष सरस्वती अग्नि मंत्र का जाप

पद्म पुराण के अनुसार, सरस्वती अष्टकम देवी सरस्वती की स्तुति में अष्टक भजन है, जो ज्ञान, शिक्षा और कला का अवतार, अज्ञान के अंधेरे का नाश करने वाली और सभी इच्छाओं की दाता है।

देवी अन्तरिक्ष सरस्वती सप्त सरस्वती देवी (सरस्वती के सात दिव्य रूप) में से एक हैं, जिन्हें शरदम्बा या वाणी के रूप में भी जाना जाता है, जो वाणी को नियंत्रित करती हैं। पवित्र ग्रंथों के अनुसार, ऋषि आदि शंकराचार्य ने देवी के इस रूप की पूजा की और उन्हें वाणी की 'जड़', तर्क का भंडार और सही गलत को समझने की शक्ति कहा।

सरस्वती के इस रूप के लिए अग्नि यज्ञ करने के साथ-साथ उनके पवित्र भजन जप से निम्नलिखित आशीर्वाद प्राप्त हो सकते हैं:

- प्रभावी भाषण और लिखित संचार कौशल को बढ़ाता है
- अज्ञानता के अंधकार को मिटाता है
- ज्ञान और आत्मज्ञान प्रदान करता है
- समस्याओं का समाधान करता है और जीवन में प्रगति में मदद करता है
- बाधाओं को दूर करने का आत्मविश्वास प्रदान करता है
- त्रिमूर्ति का आशीर्वाद प्रदान करता है

23 अक्टूबर, 2023 को शाम 6.00 बजे IST पर लाइव

10वां दिन (विजय दशमी)

9-पुजारी नवा चंडी अग्नि प्रयोगशाला बुरी नजर हटाने और दुश्मनों को दूर करने के लिए

मार्कंडेय पुराण में देवी चंडी को आदिशक्ति, आदि पराशक्ति के डरावने और अदम्य पहलू के रूप में वर्णित किया गया है, जो बुराई पर सर्वोच्च प्रहार करने वाली शक्ति है और बुरी नज़र, शाप, ग्रह पीड़ा और बाधाओं को नष्ट करने में मदद कर सकती है और लंबे समय तक चलने वाला स्वास्थ्य, धन प्रदान कर सकती है, और समृद्धि

- शत्रुओं पर विजय का आश्वासन देता है
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव को कम करता है
- कष्ट कम करता है
- परीक्षणों और कष्टों से उबरने में मदद करता है
- स्वास्थ्य, दीर्घायु और शक्ति प्रदान करता है
- सच्ची इच्छाएँ पूरी करता है

यह शक्तिशाली अग्नि प्रयोगशाला 3 कन्याओं (युवा लड़कियों), 9 सुमंगली (विवाहित महिलाओं), 3 थंबती (विवाहित जोड़े), और 3 ब्रह्मचारी (अविवाहित पुरुषों) के लिए विशेष पूजा के शक्तिशाली सूट का पालन करती है।

देवी दुर्गा को सबसे अधिक प्रिय है

दुर्गा देवी की पूजा में इत्र का सर्वाधिक प्रयोग किया जाता है। दुर्गा को अर्पित की जाने वाली विभिन्न् पूजन सामग्रियों में इत्र को प्रमुखता से शामिल किया जाता है। इत्र के बिना दुर्गा पूजा अधूरी मानी जाती है। नवरात्रि में देवी को इत्र भेंट करने का सबसे अधिक महत्व बताया गया है, क्योंकि इससे देवी को प्रसन्न् करके उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। विभिन्न् ग्रंथों में खासकर तांत्रिक ग्रंथों में तो नवरात्रि के नौ दिनों तक देवी को अलग-अलग वस्तुओं से बने इत्र भेंट करने को कहा गया है। नवरात्रि में देवी दुर्गा का वाहन गज बताया गया है, इसलिए सुख-समृद्धि की प्राप्ति के लिहाज से भी यह नवरात्रि महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं नवरात्रि में अपनी किस मनोकामना की पूर्ति के लिए देवी को किस प्रकार का इत्र भेंट किया जाना चाहिए.. आर्थिक समस्याओं का समाधान आर्थिक समस्याओं का समाधान इत्र के जरिए किए जा सकता है। यदि आपके पास लाख कोशिशों के बाद भी पैसा नहीं टिक पा रहा है तो आश्विन शुक्लपक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी नवरात्रि के पहले दिन विधि-विधान से देवी का पूजन करें और उन्हें चंदन का इत्र भेंट करें। इस इत्र को नौ दिन देवी की पूजा में रखे रहने दें। नवरात्रि के अंतिम दिन इस इत्र में से कुछ बूंदें लेकर अपनी तिजोरी या जहां आप धन-आभूषण रखते हैं, वहां लगा दें। आश्चर्यजनक रूप से आपका धन संचय बढ़ने लगेगा। शक्ति, साहस, आत्मबल के लिए कीजिए इस इत्र का प्रयोग देवी दुर्गा से शक्ति, साहस, आत्मबल प्राप्त करना चाहते हैं। यदि आप चाहते हैं कि आपकी ख्याति चारों ओर फैले तो आप नवरात्रि के किसी भी दिन दुर्गा मंदिर में जाकर कपूर, चंपा, चंदन, चमेली, केवड़ा आदि का इत्र अर्पित करें। पारिवारिक, दांपत्य जीवन की परेशानियां, पति-पत्नी के बीच का मनमुटाव दूर करना चाहते हैं तो नवरात्रि में आने वाले शुक्रवार के दिन दुर्गा मंदिर में गुलाब का इत्र भेंट करें। शुक्रवार के दिन ही गुलाब के इत्र का छिड़काव भी दंपती अपने बेडरूम में करे। अविवाहित युवक-युवतियों को भी गुलाब का इत्र देवी को भेंट करना चाहिए। इससे उनके विवाह का मार्ग शीघ्र खुलता है। यदि आप अपने आकर्षण प्रभाव में वृद्धि करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि लोग आपसे प्रभावित रहे तो देवी को गुलाब या चंदन का इत्र द्वितीया, सप्तमी और नवमी तिथि के दिन भेंट करें। मनपसंद जीवन साथी चाहते हैं तो कीजिए इस इत्र का प्रयोग मनपसंद युवक-युवती का प्रेम हासिल करना चाहते हैं। प्रेम में सफल होना चाहते हैं तो अपने जास्मीन से बना इत्र देवी को भेंट करें और उनसे अपने इच्छित प्रेम को पाने का निवेदन करें। आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी। नवरात्रि में आने वाले किसी भी शुक्रवार के दिन देवी दुर्गा के साथ मां लक्ष्मी के मंदिर में इत्र भेंट करें। साथ ही वहां बैठकर श्रीसूक्त का पाठ करें। इससे धन संबंधी परेशानी खत्म होने लगती है। यदि आप शत्रुओं का नाश करना चाहते हैं तो नवरात्रि में आने वाले मंगलवार के दिन दुर्गा देवी को चंपा या चंदन का इत्र भेंट करें। रोग नाश और आयु-आरोग्य की प्राप्ति के लिए चंदन का इत्र देवी को भेंट किया जाता है।

साप्ताहिक समय माया

जिसके पास सत्ता की लाठी, सत्ता मनचाही हांक रहा

भारत में चुनाव यथार्थ में लोकतंत्र व कानूनों का मजाक

सारे अधिकारियों से लेकर कर्मचारी सभी अपने इशारे पर नाचने वाले अधिकारी बैठा रखे

मुख्य चुनाव आयुक्त उसी को बनाया जाता है? जो सरकार की कठपुतली की तरह नाच कर उसकी इच्छाओं को पूरा करता रहे और चुनाव जितवाने के लिए सारे षड्यंत्र करें। अब मध्य प्रदेश को ही लीजिए जहां कोई भी अधिकारी 3 साल से ज्यादा काम नहीं कर सकता। वहां पर 20-20 साल से अकेले इंदौर में ही 20-25 से ज्यादा अधिकारी और हजारों कर्मचारी एक ही स्थान पर कुंडली मारे बैठाये हुए हैंऔर उनका स्थानांतरण नहीं किया गया। आखिर सब कानून अपने बाप की जागीर हैं। जिनका अपने पक्ष में अपनी तरह से व्याख्या करके सदुपयोग करते रहो।

अकेले इंदौर में ही जिला स्तरीय अनेको अधिकारी वर्षों से कुंडली मारे बैठे हुए हैं। जिसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग में संजीव श्रीवास्तव को .जो . कार्यपालन यंत्री होने के साथ अधीक्षण यंत्री भी है। जिसने नर्मदा की द्वितीय 180 एमएलडी व तृतीय चरण में 270 एमएलडी की योजना को, 450 करोड़ की योजना को बढ़ाते बढ़ाते 800 करोड़ पर, तृतीय चरण की योजना को जो 800 करोड़ की थी 1200 करोड़ पर खत्म किया। दूसरी तरफ योजना बनाने के पहले बड़े दावे किए जाते थे 24 घंटे पानी मिलेगा। परंतु वह पानी बाईपास कीऔर शहर के चारों तरफ की कालोनियों को बांट करोड़ों रुपए हजम कर लिया गया। 540 एमएलडी पानी आने के बाद में भी शहर वहीं के वहीं प्यासा रहा।

27 टंकियां 280 करोड़ की उस भ्रष्ट हैदराबाद की जालसाज कंपनी रेमकी से बनवाने के बाद में भी अनेकों टंकियां मैं मोटे कमीशन के चलते खराब स्तर के निर्माण कार्य के कारण शुरू ही नहीं किया। फिर हर दिन कहीं ना कहीं पूरे शहर की पाइप लाइन फोड़ी या फूट जाती हैं। लाख 50000 काम के कार्य के20 से 30 लख रुपए वसूले जाते हैं। जिसमें निगम आयुक्त संभागीय आयुक्त कलेक्टर सब का कमीशन होता है। इसलिए 20 साल से कुंडली मारे इंदौर में बैठा है। वही हाल इंदौर में बैठे कार्यपालन यंत्री ग्रामीण उदिया का है। जो 5 साल से इंदौर में बैठा है और उज्जैन में अरबो रुपएके सिहंस्थ के भ्रष्टाचार का नायक है, के साथ अनेकों सहायक यंत्रियों का स्थानांतरण भी नहीं किया। वही हाल नगर निगम में बैठे उपायुक्तों से लेकर इंजीनियरों डॉक्टर व अन्य सैकड़ों अधिकारी जो प्रतिनियुक्तियों पर आए थे। जिन्हें 3 साल में पुनः उनके कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए था वर्षों से कुंडली मारे करोड़ों रुपए लूट बांट धुनी रमाये भ्रष्टाचार

की चिलम पी और वरिष्ठों को पिला कर बैठे हुए हैं। कृषि विभाग में संयुक्त संचालक फर्जी जाति प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाला आलोक मीणा जो पूर्व में भी उपसंचालक बनकर रह चुका है। बरसों से इंदौर उज्जैन का संयुक्त संचालक बनकर बैठाये हुए मोटी कमाई कर रहा है। सप्ताह में एक-दो दिन इंदौर उज्जैन में बैठता है बाकी समय उसका अपना व्यवसाय अपने ही विभाग को बीज व अन्य सामग्री की अपने चेलों के माध्यम से आपूर्ति करवा कर मोटी कमाई करता है। उसकी तीन संताने है दो की घोषणा की है। जिसे कानूनी रूप से सेवा से बिना पेंशन सेवा मुक्त किया जाना चाहिए।

साथ अनेकों सहायक संचालक जाट पाठक व अन्य अधिकारी भी इंदौर में लूटो और लुटाओ के दम पर डटे हुए हैं।

लोक निर्माण विभाग में भी अधिकांश सहायक यंत्री वर्षों से संभाग एक दो के साथ विद्युत यांत्रिकीय, सेतु, राष्ट्रीय राजमार्ग संभागों में, वैसे कार्यपालन यंत्री सोनी संभाग दो विद्युत यांत्रिकी संभाग में बी के जैन, भवन निर्माण मुख्य अभियंता, पथ एवं भवन कार्यालय, राष्ट्रीय राजमार्ग, में भी अनेकों सहायक यंत्री वर्षों से कुंडली मारे बैठे हुए अनेकों लोकसभा विधानसभा के अनेकों चुनाव संपन्न करवा चुके हैं। सड़क डकैती विकास निगम में बैठा संभागीय प्रबंधकराकेश जैनयह भी उज्जैन का सीनियत काइस निगम का अरबो रुपए की डकैती का नायक रहा है 2018 से इंदौर मेंमें मोटा धन लूटकर लुटा कर कुंडली मारे बैठा हुआ है।

वाणिज्यकर विभाग में अनेकों वाणिज्य कर अधिकारी सहायक आयुक्त, उपायुक्त, संयुक्त आयुक्त जिसमें सुश्री रूबी रघुवंशी, निशा चौहान, मधुलिका चौरसिया, अनुराग जैन, निनामा, मनोज चौबे जैसे अनेकों उच्च अधिकारी भी स्थानांतरित नहीं किए गए। वही हाल स्कूली व उच्च शिक्षा स्वास्थ्य महिला बाल विकास, आदिम जाति, अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, खाद्य एवं औषधि, मत्स्य, रेशम पंजीयन परिवहन, कलेक्ट्रेट के राजस्व में राजस्व में बैठे पटवारी तहसीलदार एडीएम एसडीम पशु चिकित्सा, विद्युत मंडल की कंपनियां, पुलिस, प्रशासन श्रम विभाग में बैठा एल पी पाठक नापतोल, उद्योग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, प्रदूषण मंडल, नर्मदा घाटी पुनर्वास आयुक्त, संभागीय आयुक्त कार्यालय कर्मचारी राज्य बीमा निगम, मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल, आबकारी आदिमान केवल इंदौर में वरन पूरे प्रदेश में 10000 से ज्यादा अधिकारी तीन से पांच वर्षों से ज्यादा कुंडली मारे बैठे हुए हैं। यह सारे तथ्य सारी सूचियां क्या चुनावआयुक्त मध्यप्रदेश व मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली के पास नहीं है और जो भी अधिकारी वर्षों से कुंडली मारे बैठे हैं तो एक तो ईमानदारी पूर्वक चुनाव करवाने की संभावना कैसे और कहां से है? फिर बाकीसारी कसर जिलों के कलेक्टर इबीएम की जालसाजी से चुनाव करवा कर पूरी कर देंगे।

यही कारण है कि हरामखोर जालसाजो ने सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत हर विभाग में 18 साल गुजर जाने के बाद में भी पूरी जानकारियां 25 बिंदुओं की नहीं डाली। जालसाज भ्रष्ट्र निकंमों से सूचना के अधिकार में जानकारी मांगने पर न देने की चार छह पेज की दलीलें जरूर देंगे पर भ्रष्टाचार छुपाने जानकारी नहींदूसरी तरफ अपील लगाने परपर उनके ही भ्रष्ट अधिकारी उनको बचाने के षड्यंत्र में एक तो अपील की सुनवाई नहीं करेंगे। अगर कर भीले तोअपनी दूध देती गायों को बचाने का पूरा प्रयास करेंगे।

हर जिले में 150-200 घोर भ्रष्ट जालसाज अधिकारी इसीलिए बैठा कर रखे गए हैं। ताकि सरकार उसके मंत्रियों प्रधान सचिवों .आयुक्तों प्रमुख अभियंता आदि के उस शहर में आने जाने पर उनकी होटलों के ठहरने के खर्चे उनकी धर्मपत्नियों, खास सहेलियों, रिश्तेदारों के शॉपिंग मॉल में खरीदी घूमने फिरने फिरने आदि के खर्चे ऐसे अधिकारी आसानी से उठाकर पूरे कर सकें।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग डकैती प्राधिकरण

रा रा की सड़कों पर प्रति किलोमीटर पेट्रोल से ज्यादा टोल धार पर कार से रु 6.5 से 50 प्र किमी

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग डकैती प्राधिकरण जिसके हजार करोड़ उद्योगपति पावर प्लांट इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल की बैटरी बनाने वाली फैक्ट्री अधिकांशराज मार्ग ठेकों में सहभागिता मंत्री घोर भ्रष्ट जालसाज मंचों से इमानदारी का भाषण पेलने वाला नितिन गडकरी है। जिसके बेटे सोम गडकरी का पुल बनारस में ढह गया था।

ग्रामीण विकास में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत वहीं केंद्र सरकार 7 मी चौड़ी अर्थात 2 लेन सड़क दोनों तरफ 1.5 मी. की पट्टियां या शोल्डर मुर्रम की पट्टियां आदि का निर्माण 40लाख रुपए किलो मीटर में 5 साल की परफॉर्मेंस गारंटी पर बनवाती है। अर्थात फोरलेन के लिए एक करोड़ प्रति किमी लागत मान लेते हैं। सिक्स लेन की कीमत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के निर्माण कार्यों की दरों की अनुसूची या शेड्यूल ऑफ़ रेट्स SOR से दो करोड़ मान लेते हैं तो 15, 18 से लेकर रू 250 करोड की प्रति किलोमिटर लागत और राष्ट्रीय राजमार्ग डकैती प्राधिकरण द्वारा अपने खास मित्र अडानी को लाभ पहुंचाने और उसमें से मोटा हिस्सा नितिन गडकरी द्वारा डकार ने का षड्यंत्र समझा जा सकता है।

जहां तक कंट्रोलर ऑडिटर जनरल ऑफ इंडिया या बहुत चर्चित काग के संबंध में मैं आपको स्पष्ट कर दूंकि यह केवल कागजों पर चल रही जालसाजी उसके आंकड़ों की हेरा फेरी कोई कानून की व्याख्या उसमें हुई अनियमितता की भाषा व उसके शब्दों लेखन को पकड़ सकने में सक्षम होता है।

जो तथ्य मैं आपके ऊपर दिए हैं यहां तक कि वह उन तथ्यों का भी अध्ययन बारीकी से करने में सक्षम है वह कोई तकनीकी संस्था नहीं और ना ही उसमें कोई भी तकनीकी ज्ञानी इंजीनियर डॉ वैज्ञानिक कृषि वैज्ञानिक आदि तक नहीं होते हैं यहां तक कि वह डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट मैं लिखी गई जालसाजी पूर्ण भाषा खरीदी में किए जा रहे घोटालों उसके माल की दरों का केंद्रीय डायरेक्टरेट ऑफ सिविल सप्लाईज या केंद्रीय नागरिक

आपूर्ति संचालनालय जिसको पूरे देश की राज्य सरकारें अक्षरशः पालन करती हैं और उनकी सभी प्रकार के बालों की खरीदीकार्यों को करवाने की दरें ही राज्यों में लागू होती हैं। जिसकी दरों और बाजार दरों के वास्तविक कीमतों के अध्ययन का अंतर निकालने में भी सक्षम नहीं है। यह दरें केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और केंद्रीय नागरिक आपूर्ति संचालनालय मैं बैठे अधिकारी भी बड़े-बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के इशारे पर नाच व मोटा पैसा हजम कर जानबूझकर उन दरों में भी 10 से 25% की अधिक दरें निर्धारित करता है।

जहां तक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग डकैती प्राधिकरण का सवाल है। वह केवल टोल टैक्स की उन्हीं सड़कों को ठेकेदारों के माध्यम से बनवाता व देखरेख करता हैजहां से मोटी कमाई करनी होती हैअब नई कहानी शुरू होती हैजो सड़के टोल टैक्स में बनवा जाती है जानबूझकर2 से 3 करोड रुपए किलोमीटर की सड़कों को 5 -7 गुना 18 से 20 करोड रुपएप्रति किलोमीटर जिसमें पांच मंत्रालय शहरीय व ग्रामीण विकास, वन एवं पर्यावरण, वित्त, भूतल परिवहन के सचिवों मंत्रियों को 1-1 करोड रु प्रति किमी अर्थात 5 करोड़ प्रति किमीस्वीकृति में लग जाते हैं जो दुगुनी हो जाते हैंइसके साथ ही 80% बैंक ऋण जो केंद्र सरकार की गारंटी पर ठेकेदार को दिए जाते हैं। बैंक भी कुल ऋण की स्वीकृति से पूर्व डीपीआर का अध्ययन अपने इंजीनियरों तकनीशियन और सलाहकार इंजीनियरिंग फर्मो से करके ही बड़े ऋणों के मामले में 2 से 5% कमीशन खाकर ऋण स्वीकृत करते हैं। कुल मार्ग की लंबाई उस पर चलने वाले वाहनों की संख्या के हिसाब से प्रति किलोमीटर चार पहिया वाहनों ट्रकों बसों या फिर पहियों के हिसाब से टोल टैक्स लगाया जाता है। उसका बहुत छोटा सा उदाहरण इंदौर से अहमदाबाद का आईवीआरसीएल दक्षिण की रेड्डी बंधुओं की जिसमें सुषमा स्वराज की साझेदारी थी। की इंदौर से झाबुआ गोधरा तक 195 किमी की सड़क 2008 में मात्र 200 करोड़ में स्वीकृत होनी चाहिए थी जिसे 650 करोड़ में स्वीकृत किया गया। जिसका भुगतान आम जनता जिस इंदौर से धार की 50 किलोमीटर की लंबाई पर 325 टाल देती है। इसी 50 किमी इंदौर से उज्जैन की सड़क पर रु. 35 लगते हैं। बेशक मप्र सड़क डकैती विकास निगम ने 2008 में इस सड़क की लागत मात्र 50 करोड़ थी रु250करोड़ डीपीआर बनाकर बैंक का 80% ऋण स्वीकृत करवाया गया था। विदेशी कंपनी ने 80 करोड़ में बनाकर 30 करोड़ कमाए वह पूरी सड़क और उसका ऋण महाकाल टोल टैक्स को सौंप कर चली गई।

अंध भक्तों सच को समझो, बनो राष्ट्रभक्त

क्या हुआ चुनावी मौसम में हिंदुओं को डराने व पुनः वोट पाने के लिए के लिए हमास के कुकृत्यों की व्यवस्थित विस्तृत व्याख्या करके तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हो। अच्छा लगा। यहां आकाओं के विचारों और अंध भक्तों के प्रस्तुति में विरोधाभास उत्पन्न हो रहा है।

तुम्हारे आकाओं को तो हमास इजरायल युद्ध मुसलमानों के वोट पाने का बहुत आसान हथियार मिल गया जिसमें यहां बैठकर केवल हमास के पक्ष में अपनी वाचालता का प्रदर्शन करना है जिसमें लाबरिया भेरू विश्वगुरु मोदी का कोई तोड़ नहीं। जो हमास, फिलिस्तीन के पक्ष में बयान देकर पूरा कर रहा है। 2री तरफ हिंदुओं को 10 साल से मुर्ख बनाकर भेड़िया झुंड पार्टी और राक्षस पूंजी सेवा संघ 93 वर्षों से देशभक्ति हिंदुत्व धर्म संस्कृति की अफीम चटाकर पर्याप्त लूटने और शोषण करने का षड्यंत्र कर रहा है।

सामने से मुसलमानों को हड़काता है। पीछे अपनी बेटियां सौंप कर दामाद बनाता है। इतिहास के अनुसार देश के 3 टुकड़े करवा कर, बंटवारे में 1947 में, 1989 में कश्मीर में, 1994 में बाबरी तोड़ने में, 2002 में गोधरा में, 2020, 21 में कोरोना में, फिर टीका लगा करोड़ों हिंदुओं का कत्लेआम करवाता है। दूसरी तरफ उनके आका योगी उनकी गुणात्मक जनसंख्या वृद्धि करवाते हुए49 योजनाओं में फायदा पहुंचाते हैं सरकारी नौकरियों में उर्दू से परीक्षा करवा प्रशासनिक हजारों पद सौंप देते हैं। पर मुर्ख हिंदू व उनकी पीढ़ियां उनके आईटी सेल के सामने नतमस्तक होकर तन मन धन का शोषण करवाते हुए उन के गुणगान में लगी रहती हैं। बेशक वाचालता की अफीम के मद में मस्त हो कर उसे कुछ दिखता ही नहीं। वाचालता की अफीम के नशे से चमक धमक और प्रचार तंत्र के बिल्कुल असली 56 इंची... बिल्कुल असली चाणक्य के ब्रेन वाले... बिल्कुल असली 1000 साल बाद आए हिंदू हृदय सम्राट... जिनकी चाल बिल्कुल असली शेर जैसी है... जिनकी डिग्री बिल्कुल असली है... जिन्होंने हट्टे-कट्टे होकर भी 40 साल तक भीख मांग कर खाने का सच अमेरिका, फ्रांस, जापान का भ्रमण करते हुए बोला है... जो बचपन में थ्री पीस सूट पहन कर फोटो खिंचाते थे और अंग्रेजों की तरह बो टाई लगाते थे... पांच हट्टे-कट्टे भाई और पिता के होने के बावजूद जिनकी मां सच में घरों में बर्तन मांज कर परिवार का गुजारा करती थी... जिन्होंने नारी को सशक्त करने के लिए अपनी धर्मपत्नी को सच में देश हित में बेसहारा छोड़ दिया... जो प्रचार तंत्र के हिसाब से विश्व के सबसे शक्तिशाली प्रधानमंत्री हैं... चमचों के हिसाब से जो दुनिया के बॉस हैं बॉस... ऐसे हमारे विश्व गुरु जो दिन में सचमुच 25-25 घंटे काम करते हैं... ऐसे बिल्कुल असली महान व्यक्ति के महान अनुयाइयों में से कोई... जिसके पास मोदी जी की तरह बिल्कुल असली डिग्री हो... क्या इस प्रश्न का जवाब दे सकता है कि पिछले 9 वर्ष के लंबे कार्यकाल में मोदी जी ने भारत देश के 100 करोड़ हिंदुओं के हित के लिए कौन सा कानून बनाया है... और पिछले 70 सालों में 100 करोड़ हिंदुओं के नुकसान और मुसलमानों के फायदे के लिए बनाए गए किस कानून को हटाया है.

सीधे साधे हिंदुओं तुम बेवकूफ बनते रहते हो और तुम्हें खबर भी नहीं होती... तुम्हें आंख मूंद कर व्यक्तियों के पीछे भागने की आदत है... तुम्हें व्यक्तियों को भगवान बनाकर पूजने की आदत है... तुम झूठ फरेब और प्रचार की चमक दमक भरी सपनों की दुनिया का आनंद लेने के आदी हो... पहले तुम्हें मुट्ठी भर अंग्रेजों ने बेवकूफ बनाया और तुम्हारे जमींदारों द्वारा ही... तुम्हारी फौज तुम्हारी पुलिस द्वारा ही तुम पर राज किया... जब तुम्हें असलियत समझ में आने लगी और तुम्हारा गुस्सा बढ़ने लगा तो उन्होंने अपना एक बहुत ही महत्वाकांक्षी अय्याश और ठरकी आदमी को तुम्हारा महात्मा बनाकर तुम्हारे गुस्से और लड़ाका शक्ति को अहिंसा में बदलवा दिया और तुम पर बहुत प्यार से राज किया और तुम महात्मा महात्मा महात्मा महात्मा महात्मा चिल्लाते हुए दशकों तक बेवकूफ बनते रहे और अंत में अपने पुरखों की सदियों की मेहनत द्वारा बनाई गई अपनी संपत्ति जमीन जायदाद के साथ-साथ अपनी जान माल से भी हाथ धो बैठे और अपनी बहन बेटियों की इज्जत गंवाकर लाखों की संख्या में कटकर आज उसी बिल्कुल असली महात्मा को गाली देते फिरते हो...

उसके बाद तुम अंग्रेजों द्वारा भारतीय राजनीति में इंप्लांटेड नेहरू और उसके खानदान द्वारा बड़े प्यार से बेवकूफ बनाए जाते रहे... लोगों द्वारा असलियत बताने के बावजूद भी तुम नेहरू जी के पीछे चाचा-चाचा कहकर दौड़ लगाते रहे और इंदिरा जी को दुर्गा दुर्गा करके पूजते रहे...

बॉलीवुड ने भी तुम्हें 70 साल तक बहुत प्यार से बेवकूफ बनाया... और तुम उन पर पैसे लूटा लूटा कर जात-पात के प्रपंचों में फंसते चले गए... उन्होंने तुम्हारे मुंह में उर्दू भर दी और तुम्हारे बच्चों को बाबर अकबर हुमायूं जहांगीर शाहजहां महान पढ़ा दिए... और तुम बेवकूफों की तरह अपने विनाश पर तालियां बजाते हुए आए थे और आज तक बज रहे हो...

जिस आदमी ने जनरल डायर की तरह मुल्ला मुलायम की तरह गुजरात दंगों में 300 से ज्यादा हिंदुओं की हत्या की... जिसने 50,000 से ज्यादा हिंदुओं को गुजरात में जेलों में ठूंस दिया... जिसने कुर्सी पर बैठते ही खुल्लम खुल्ला मुसलमानों के विश्वास को जीतने के लिए काम करने का संदेश हिंदुस्तान और उसकी सरकार को दिया... और पिछले 9 सालों से लगातार उनके लिए काम भी किया... जिसने कुर्सी पर बैठते ही हिंदुओं की रक्षा के लिए कार्य करने वाले नवयुवकों को गली का गुंडा करार दिया और पूरे देश की सरकारों को उनकी फाइलें खोलने का संदेशा दिया... जिसने खुल्लम खुल्ला मुसलमानो के लिए 300 विशेष योजनाएं बना कर दीं और हिंदुओं के लिए एक भी नहीं... जिसने एक-एक लख रुपए की सरकारी मदद दे दे कर फ्री रहना खाना फ्री कोचिंग दे दे कर और इंटरव्यू में 13 से ज्यादा नंबर बड़ा-बड़ा कर मुसलमानों को कांग्रेस के जमाने से 10 गुना ज्यादा आईएएस और आईपीएस बनाकर भोले वाले हिंदुओं पर राज करने की परमानेंट सत्ता सौंप दी...

जिसने नूपुर शर्मा सहित हिंदू हित के लिए आवाज उठाने वाली हर शख्सियत को जमकर सबक सिखाया... जिसने पिछले 9 सालों में हिंदुओं को क्या दिया... डिजाइनर ड्रेस में कैमरे और लाइट्स ले जाकर गुफा में ध्यान लगाने के फोटो और वीडियो... त्रिपुंड लगाकर कपड़े पहनकर चश्मा लगाकर गंगा स्नान की नौटंकी... दाढ़ी कपड़े मोर और उज्जैन और काशी के दो कॉरिडोर? बहुत ही अकलमंद हिंदुओं कटते रहो मरते रहो बंगाल में, दिल्ली में बेंगलुरु में मणिपुर में मेवात में और नारे लगाते रहो मोदी मोदी मोदी मोदी... तालियां बजा बजा कर हिजड़ों की तरह नृत्य करते रहो... बधाई हो तुम्हें 1000 साल बाद हिंदू हृदय सम्राट हुआ है...

जनता के धन से बड़ी हजारों करोड़ की योजनाएं बना 30 से 50% कमीशन हजम करो

जनता को मनमाने किराए से लूटने, अडानी की ट्रेनों को फायदा करवाने नई ट्रेन रेलवे नहीं आईआरसीटीसी के माध्यम से आडानी के लिए चलाई जा रही है।

कहां गई, कई नियमित ट्रेन क्यों बंद कर दी गई?

अब यह त्योहारों पर नए नामों से ट्रेन चलाने का षड्यंत्र, जिन ट्रेनों नंबरों में 0 आगे लगा हुआ है। वह सब निजी क्षेत्रों की है। जाकर रेलवे की साइट पर देखा जा सकता है।

डकैत मोदी व उसके लुटेरे गिरोह के लिए जनता से पेट्रोल डीजल गैस मैं 80% तक कर और 1500 से ज्यादा वस्तुओ पर थोपा भारी भरकम जीएसटी से लूटा धन अपने गुजराती मित्रों अदानी व सैकड़ों अन्य को दिए भारी रुपए 25 हजार करोड़ के ठेकों से जिसमें मात्र कार्य होगा 5 से 7000 करोड़ का ही होगा। टेंडर जारी करने के बाद ही कार्यादेश देने के पहले सत्ता जाने के डर से 10% कार्यशील पूंजी और मशीनों के नाम पर अग्रिम के लिए वसूल कर लिया जाएगा। दूसरी तरफ 938 स्टेशन बनाने के बाद वह अच्छे स्टेशन जहां पर यात्री ज्यादा होंगे सब अपने भेढ़िया झुंड पार्टी के मित्रों और पूंजी पतियों को वसूली के लिए सौंप दिये जाएंगे। यह कोई नहीं बता रहा है यह कोई नहीं जानता।की इन बड़े ठेकों को देने के पीछे मोटा कमीशन सत्ता जाने से पहले वसूलने का षड्यंत्र है।

जनता के पैसे से जनता की संपत्तियां तैयार की जाती है तो इस हरामखोर जालसाज सूअर ने 400 से ज्यादा रेलवे स्टेशन 22 हवाई अड्डे 8 बंदरगाह लाल किला अपने मित्रों को लूटने के लिए क्यों सौंप दिए? सनातनी मूर्खों को समझ में नहीं आ रहाकि जो हजारों वर्ष पुरानी मंदिर राजाओं में निर्मित किए थे धर्म द्रोही डकैत ने अपनी नाम पट्टिका चिपकाने अपने नाम को मंदिर प्रवेश से पहले लोक पढ़ें इसके गुणगान करवाने पुनः नवीनीकरण के नाम पर अकेले काशी में 1200 मंदिरों, मठों समाधियों आश्रमों को तोड़ा, और नये निर्माण कर दर्शनार्थियों से लूट और वसूली का अड्डा बना दिया वही हाल महाकाल लोक में अब ओमकारेश्वर में भी किए जाने वाला है। जिसमें हुए भारी लूट वसूली और भ्रष्टाचार के परिणाम शक्ति शिव की मूर्ति टूटने के बाद सामने आ गया।

बड़े-बड़े ठेकों का सच केवल लूट का षडयंत्र है इसे समझिये

भारत के केग की, रेलवे के संसदीय कमेटी की, रेलवे बोर्ड की, सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के लिए इतनी सारी रिपोर्ट होने के बाद में भी रेल मंत्री ने सब को नकार कर कोई कदम नहीं उठाया तो पुंगैया बनाकर ऐसे भ्रष्ट जालसाज और देश की संपत्ति बेचने वालों की सारी डिग्रियों को पीछे भर दो। सीएजी चिल्ला रही है पार्लियामेंट्री कमेटी चिल्ला रही है। रेलवे की पटरियों की सुरक्षा कीजिए मात्र 3 साल में 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2021 तक 1139 ट्रेनों का बे पट्टी होना।

नहीं पर, अपने बाप अडानी को 20000 करोड का पटरियों की सुरक्षा का बजट न दे। 4लाख आत्यधिक जरूरी स्टाफ की भर्ती न कर, नई ट्रेन लाइन बनाकर देने में भविष्य में काम आएगी। के लिए पूरे रेलवे को बर्बाद कर जानबूझकर रेलवे में दुर्घटनाओं से आम गरीब जन में भय पैदा कर मौतों का रास रचा, देश की एयर इंडिया को कबाड़ में बेंच टाटा व अन्य विमानन कंपनियों से मोटा कमीशन खा उनके यात्रियों को लुटवा मोटा धन हजम करने का षड़यंत्र किया जा रहा है। पिछले 30 सालों में भाजपा की दाल उड़ीसा में कभी नहीं गली। बीजू पटनायक की कार्यशैली और लोकप्रियता के मामले में, भेड़िए पसंगे में नहीं लगते।

अगले वर्ष लोकसभा के मई में चुनाव है

कहां गया दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कवच पर बड़ी लंबी चौड़ी हांक फांक रहे थे। करोड़ों रुपए खरीदने में लगा केवल कमीशन भर ही खाया गया है। इन तीनों में कवच कहीं नहीं था। या पुलवामा की तरह सारे कवच निष्क्रिय कर दिए गए थे।क्या उड़ीसा में बालासोर के पास रेल दुर्घटना पूर्व नियोजित पुलवामा सैनिकों की हत्या कांड की तरह का षड्यंत्र है। अन्यथा एक ट्रेन के बेपटरी होने के बाद दूसरी और तीसरी ट्रेन का कुछ मिनटों में आपस में भिड़ना। एक बेपटरी होकर डब्बे उतर गए तो केविन इंचार्ज लाइनमैन और स्टेशन मास्टर ने तीसरी ट्रेन को रोका क्यों नहीं गया? बंगालन दीदी की भेडियो से अदावत तो सदियों पुरानी है। मरने वाले अधिकांश उड़ीसा और बंगाल के ही थे।जब दोनों ट्रेन की 15 से ज्यादा यात्रियों की बोगियां टकराने पर मात्र 300 आदमी ही मरे। जबकि एक डिब्बे में 80 सीट होती हैं। फिर बड़ी बड़ी दुर्घटनाओं पर ग्रहों के आपराधिक तड़ीपार उनकी कई घंटों दिनों तक चेतना जागृत नहीं होती। पर इस दुर्घटना में तत्काल कुछ मिनटों में ही सारे चेतन्य व जागृत कैसे हो गये। क्या सब कार्य संपन्न होने और तत्काल दौड़ लगाने के लिए उत्सुक वाट जोह रहे थे।तत्काल 8 लाख की घोषणाएं भी हो गई। यह 8 तो केवल सामान्य अनारक्षित डिब्बों में बैठने वालों के लिए मिलना चाहिए। पर जिन्होंने आरक्षित, तृतीय द्वितीय प्रथम श्रेणी वातानुकूलित आरक्षण करवाया था। टिकट 3 से 10 गुना में लिया। तो क्षतिपूर्ति भी 3 से 10 गुना होना चाहिए।

मेट्रो रेल परीक्षण अवैधानिक

चुनाव की जल्दी में जनता को अपनी उपलब्धियां गिनाने, बताने, जीत पक्की करने के षड्यंत्र में यह मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा बनाई मेट्रो ट्रेन के सारे खंबो स्ट्रक्चर, स्लेब, पटरियां लोक निर्माण विभाग या रेलवे के सक्षम इंजीनियर अधिकारियों द्वारा, उसकी मजबूती, कार्य करने की क्षमता को क्या प्रमाणित कर दिया गया, किसने कब और निरीक्षण की विस्तृत जानकारी में क्या कमियां, खामियां बताई, क्या वे दूर की गई, क्या उसने परीक्षण के लिये भी प्रमाणपत्र जारी कर दिया? अगर जारी नहीं किया तो ट्रायल रन लेने वाले अधिकारियों संबंधित नेताओं मुख्यमंत्री शिवराज को जान बूझकर सार्वजनिक बिना सुरक्षा मानदंडों का ख्याल किये दुराशय पूर्ण अपने व्यक्तिगत चुनाव जीतने के लालच में किया गया दुष्कृत्य मान कर सबको गिरफ्तार किया जाना चाहिये।

एआई : एक दो नहीं, पांच तरह के होते हैं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

पेज 1 का शेष

डीप लर्निंग

डीप लर्निंग को मशीन लर्निंग का एक सबसेट भी माना जा सकता है। डीप लर्निंग रिप्रेजेंटेटिव लर्निंग के साथ आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क पर आधारित है। डीप लर्निंग में 'डीप' नेटवर्क में गहन लर्निंग को बताता है। यानी इसमें सीखने की क्षमता काफी ज्यादा होती है। आसान शब्दों में कहें तो यह कंप्यूटर को मानव मस्तिष्क से प्रेरित तरीके से डाटा प्रोसेस्ड करना सिखाती है।

नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी)

नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग यानी एनएलपी भी एक तरह की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है, जो एआई और भाषा विज्ञान को जोड़ती है। इसकी मदद से मनुष्यों को नेचुरल लैंग्वेज का इस्तेमाल करके मशीन और रोबोट के साथ संवाद करने में मदद मिलती है। गूगल वॉइस सर्च, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग का सबसे सरल उदाहरण है।

कंप्यूटर विजन

लागत में कटौती और सुरक्षा बढ़ाने के साथ-साथ यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए ऑर्गेनाइजेशन में कंप्यूटर विजन का उपयोग किया जाता है। कंप्यूटर विजन का मार्केट अपनी क्षमताओं के समान दर से बढ़ रहा है और 2025 तक 26.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह लगभग 30% वार्षिक वृद्धि है। सेल्फ-ड्राइविंग कारों में कंप्यूटर विजन का ही इस्तेमाल किया जाता है।

एक्सप्लेनेबल एआई

एक्सप्लेनेबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रणनीतियों और दृष्टिकोणों का एक कलेक्शन है। एक्सप्लेनेबल एआई तकनीक इंसानों को मशीन लर्निंग एल्गोरिदम की खोज करने के साथ-साथ आउटपुट को समझने और उन पर भरोसा करने में मदद करती है। एक्सप्लेनेबल एआई, किसी भी एआई मॉडल के इफेक्ट और किसी भी पूर्वाग्रह को समझाने की क्षमता रखता है।

साप्ताहिक समय माया

धर्म के नाम होता है घोर अधर्मी, आयोजक ही करवाते है रासलीला

गरबों के बाद आती है गर्भपातों की बाढ़

नवम्बर- दिसम्बर में हर नर्सिंग होम, चिकित्सालय करते हैं औसत से चौगुने गर्भपात, बड़े समाचार पत्र प्रकाशकों को शामिल कर मुफ्त में प्रचार और अपने स्वच्छंद यौनाचार पर प्रशासन को व नागरिकों को दहशत, ताकि कोई भी महिला छेड़छाड़ या अन्य दुष्कर्मों की शिकायत न करे

पूरे उत्तरी पश्चिमी व पूर्वी भारत जिसमें महाराष्ट्र से लेकर मप्र, छग, उड़ीसा, बंगाल से लेकर उप्र राजस्थान, गुजरात, दिल्ली, उत्तराखंड आदि में नवदुर्गा जी के नवरात्रों में आराधना के लिए जो सामूहिक गरबा नृत्य होता है, वह यथार्थ में भक्ति की शक्ति प्रदर्शन की अपेक्षा वृहद स्तर पर माफियाओं के चंगुल में फंसकर धर्म के नाम पर घोर अधर्म, स्वच्छंद यौनाचार का केन्द्र बन चुका है।

यहां तक कि जिस नवरात्रों में दुर्गाजी व अन्य नवदेवियों की आराधना के लिए गरबा किया जाता है। उनमें विशुद्ध भजन व बीच में प्रतिमा या चित्र के चारों तरफ गरबा होना चाहिए, उसका पूर्णतः अभाव होता है।

बड़े केन्द्रों पर आयोजक न केवल जिसमें अधिकांश में पिछले कुछ वर्षों से दैनिक समाचार पत्र प्रकाशक जो घोर धन और रस लोलुप्त होते है। न केवल स्वयं सह प्रायोजक वरन उस कार्यक्रम में मोटा पैसा हजम करने के लिए अपने बड़े विज्ञापनदाताओं को भी उनसे मोटी धनराशि, नवयौवनाओं के साथ नृत्य करने, मौज मस्ती करने के नाम पर ऐंठी जाकर न केवल प्रायोजक वरन दैनिक समाचार पत्रों के प्रकाशक भी उनके कुकर्मों में सहभागी होते हैं। पिछले 15-20 साल से ये चलन इस लिये परवान चढ़ा ताकि इन जालसाज माफियाओं के कुकर्मों की जो हर दिन छपाई होकर आपराधिक प्रकरण दर्ज होते थे उनसे भी मुक्ति मिल गई तो दूसरी तरफ महिला प्रतिभागियों को डरा धमकाकर यौनाचार करने के बाद यदि किसी पुलिस में रिपोर्ट लिखवाने की

कोशिश भी की तो पुलिस समाचार पत्र की सहभागिता के कारण रिपोर्ट ही नहीं लिखती, साथ ही सबकुछ होता देखकर भी पुलिस स्वयं मूकदर्शक बनी रहती है। यह सब स्वयं प्रशासनिक अधिकारी तहसीलों, जिलों से लेकर प्रदेश व देश की राजधानी तक सब जानते हैं। समय माया ने जब गरबों के पूर्व इस बात को छापकर आगाह किया था तो शासन ने इस यौनाचार को रोकने की अपेक्षा हर गरबा स्थल पर कंडोम वेडिंग मशीनें लगा दी थी। इस बार भी सीसीटीवी कैमरे लगाने और रिकार्ड रखने की व्यर्थ नौटंकी पूर्ण घोषणा की गई, जिसका कौन मूर्ख होगा जो पालन करेगा, फिर गरबा माफियाओं का तो पावन उद्देश्य की नवयौवनाओं को इस बहाने बुलाकर यौनाचार करते हुये वीडियो बनाना और ऐसी नवयौवनाओं का तन, मन, धन से शोषण करना ही होता है। धर्म की आड़ में चलने वाले इस स्वच्छंदता का हिन्दू संगठनों यथा हिन्दु महासभा, स्वदेशी जागरण मंच, रा. स्व. से संघ द्वारा न केवल पुरजोर विरोध किया जाना चाहिए। एक दो बार 10 बार भी यदि इन कार्यक्रमों के विरोध को लेकर यदि हिन्दू संगठनों को नकारात्मक संदेश इन हिन्दू संघों के हित में जायेगा वो दीर्घकाल में इन माफियाओं के विरूद्ध आंदोलन की नीवं तो रख ही देगा, क्योंकि महाराष्ट्र, मप्र, गुजरात व बंगाल आदि में निजी चिकित्सालयों में नव, दिस, जन, तक इन गरबों के कारण गर्भपातों की जो बाढ़ आती है। उससे न केवल हिन्दू धर्म, नवरात्रि, आराधना की जो निम्न छवि बन रही है। कम से कम न केवल उस छवि और दुष्कर्मों के प्रति आने वाली 25-30 वर्ष की स्त्रियों और पुरूषों में उसके प्रति भय बैठेगा जो इसे रोकेगा।

यह तथ्य पिछले 30-40 वर्षों से स्वास्थ्य विभाग से लेकर पुलिस प्रशासन की नजरों में है. परंतु वे ही माफिया जो ये कर्म करवाते हैं। वे ही प्रशासनिकों को हर अधिकारी के राजों के आधार पर उससे भविष्य में सो कार्यो को करवाते रहते है। फिर कौन सा पुलिसिया प्रशासनिक सचिव, जिलाधीश, एडीएम, एसडीएम व तहसीलदार पटवारी सरपंच, सचिव पुलिस कांस्टेबल से लेकर आईजीडीजी, मुफ्त वंदन का तिलक लगाने से कोई नहीं चूकता। फिर नेता, पार्षद, सभी जो महाधर्मी बन है, सभी मौके की तलाश में शिकार करते हैं, फिर टीवी चैनलों से लेकर मोबाइलों पर नग्न चित्रावली सभी रसास्वरन के लिए बाध्य करती है। स्वाभाविक है तत्काल में सभी मौज के दरिया में डूबकी लगाने के लिए बेताब रहते है।

समय माया ने जब इन तथ्यों को प्रकाशित किया तो प्रशासन ने रोकने की अपेक्षा हर बड़े गरबा स्थलों पर कंडोम वेडिंग मशीने लगा दी। अभी भी प्रशासन ने खोखले दावे किए थे कि रात में 10 बजे गरबा कार्यक्रम बंद कर दिए जायेंगे और सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे सब खोखले और अपनी चमड़ी बचाने के लिए ही किये थे। जबकि सच यह है कि यदि कैमरे लगा दिए गये और रात 10 बजे ये सब गरबा नृत्य बंद कर दिये गये तो माफियाओं के साथ नेताओं, गुंडो, होटलों की मुफ्त में नवयौवनाओं का भोगन की दुकानदारी कैसे चलेगी, आती रहे गर्भपातों की बाढ़ बेशक हर पुरुष की कहीं बहन बेटी, या अन्य के साथ भी यही सब हुआ होगा।

2 दिसबर विश्व एडस दिवस का सच

कंडोम बेच उससे अरबों रुपए प्रतिदिन की कमाई करने का षडयंत्र

डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन नहीं, विश्व घातक संगठन, स्वास्थ्य के नाम डराओ लूटो

यह केबल डब्ल्यूएचओ वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन नहीं अर्थात वास्तविकता यह है यह वर्ल्ड हजाड्र्स ऑर्गेनाइजेशन, अमेरिकन और यूरोपियन जालसाज डकैतों की बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों का विश्व स्वास्थ्य बिगाड़ो संगठन एक संयुक्त व्यावसायिक संवर्धन संस्था है। वही कंपनियां इस संगठन को धन देकर अपने हिसाब से चलाती हैं।

पहले नई खोजों के नाम पहले कुछ भी उल्टा-सीधा उत्पाद,बनाओ सिर बीमारियां खड़ी करो और अपना माल बेचो अर्थात उन ने जो बनाया है। उसे खरीदने के लिए पहले भय पैदा करो। फिर अपना माल, दवाइयां, उपकरण जिसमें मधुमेह, हृदय, किडनी, स्वाईन फ्लू, कोरोना आदि की हजारों गुना दाम पर मोटा कमीशन सरकारों, डाक्टरों को बांट कर बेचों। यह षड़्यंत्र 1910 से अमेरिकी और युरोपियन कंपनियों द्वारा लगातार किया जा रहा है।

हर 10 साल में कोई उल्टी-सीधी नई खोज करना फिर उसका परीक्षण करने नई बीमारी पैदा करना फिर अपना हजारों गुना में माल बेंचना। वही हाल उन्होंने अपने

कंडोम बेचने के लिए ऐड्स नाम की बीमारी का पूरी दुनिया में हवा फैलाकर 10 पैसे के कंडोम को आसानी से रुपए10 में बेचने का षड्यंत्र था जबकि एडस नाम की कोई बीमारी होती ही नहीं। जो अमेरिका ने अपने देश के बच्चों को 1980 में सरकार की तरफ से ध्यान हटाने के लिए और स्कूलों में ही बच्चों को संभोग केली कीड़ा में रत करने के उपरांत भी बच्चे पैदा ना हो लड़कियां गर्भ की शिकार ना हो।

इसलिए उन्होंने पहले फ्री कंडोम बांटने उसका खर्चा निकालने के लिए दुनिया में एड्स की हवा फैलाई गई। ताकि बेंच कर मोटा धन बटोरता रह सके। 40 साल के बाद आज तक कंडोम का कोई भी वायरसों कीटाणु नहीं खोज पाए। क्योंकि यथार्थ में ऐड्स नाम की कोई बीमारी दुनिया में होती ही नहीं और डॉक्टर एलोपैथिक के जब बहुत सारी बीमारियां एक दूसरे के विपरीत स्वभाव की मानव शरीर में हो जाने के कारण जब अनियंत्रण की स्थिति बन जाती है। तो आसानी से अपने आप की खाल बचाने के लिए डॉक्टर चला देते हैं कि इसे एड्स हो गया। मैंने आयुर्वेद और होम्योपैथी का अध्ययन किया और गाहे में बगाहे अभी भी पढ़ता रहता हूं।

आयुर्वेद में 14 प्रकार के प्रमेह का वर्णन व उनकी चिकित्सा मिलती है। प्रमेह रोग स्त्री और पुरुषों की यौन और जननांग रोगों का विवरण देता है। जिसमें अंतिम उपदंश और सुजाक होते हैं। यदि दोनों एक साथ भी हो जाएं तो भी आयुर्वेद में चिकित्सा के साथ साथ उसके वृहत नियंत्रण के उपाय दिए हुए हैं। जो की महर्षि धन्वंतरि द्वारा हजारों वर्ष पूर्व ही लिख दिए गए थे। उसके बाद में सुश्रुत, चरक, आदि अनेकों समय समय पर जन्में आयुर्वेदाचार्य ऋषि-मुनियों ने भी इन पर काफी काम किया। पुरुषों स्त्रियों को संभोग के उपरांत जननांगों को सहवास से फैलने वाले रोगों से बचाव के लिए तात्कालिक उपायों में अपने जननांगों को अपने ही मूत्र से प्रक्षालन का सबसे सटीक उपाय दे दिया था। होम्योपैथिक में भी उपदंश व सुजाक के नियंत्रण के लिए जर्मन वैज्ञानिक और होम्योपैथिक चिकित्सा के जन्मदाता हेनमन ने अनेकों औषधियां तैयार कर दी थी। बेशक 16 -17वीं शताब्दी में में मलेच्छ राष्ट्र फ्रांस और यूरोप में उपदंश व सुजाक महामारी का रूप ले लिया था। यथार्थ में लिंग को कवर करने के लिए क्यों बारीक पतले चमड़े का खोल बनाकर संभोग को पूरा करने के लिए कबर तैयार किया गया था ताकि योन रोग ना फैल सके स्त्री और पुरुषों में कंडोम का चलन तभी से शुरू हुआ था।

निसंदेह पूरे आयुर्वेद में लिंग को कवर करके संभोग करने की कोई प्रणाली विकसित नहीं हुई थी। परंतु यौन रोगों से संबंधित, बारीकी से विश्लेषण और चिकित्सा की जितनी व्यवस्था आयुर्वेद में की गई है दुनिया की किसी भी अन्य चिकित्सा पद्धति में आज तक नहीं की जा सकी। आयुर्वेद में भी प्रमेह की अंतिम दोनों अवस्थाओं उपदंश सुजाक में भी जब अपनी अंतिम अनियंत्रित अवस्था में पहुंचता है तो स्त्री पुरुषों की मृत्यु का कारण बन जाता है जो शरीर के हर अंग में फैल कर भारी विकृतियों उत्पन्न कर देता है।

निसंदेह कंडोम ऐसे यौन रोगों और अनावश्यक स्त्रियों में गर्भ को रोकता है। जिसे 1998 से लगातार बार-बार मेरे समय माया द्वारा प्रकाशित करने के कारण जो कि अमेरिका के व्हाइट हाउस, व अन्य देशों के दूतावासों को डब्ल्यूएचओ को भी पीडीएफ कॉपी भेजी जाती है। जानबूझकर उन्होंने एड्स के प्रचार की अपेक्षा अस्पतालों में भी यौन रोग और गर्भनिरोधक के रूप में स्वीकार करना शुरू कर दिया। इसके संबंध में भोपाल के ज़ी टीवी कंपलेक्स में सन 1960 से लेकर 2008 तक चलने वाली ब्रिटिश लाइब्रेरी में 98 के अंत में लंदन टाइम्स में नार्वे के 200 डॉक्टरों के एक समूह ने इस पर काफी शोध करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला की यथार्थ में एड्स नाम की कोई बीमारी नहीं होती। वह केवल कंडोम बेचने और उससे अरबों रुपए प्रतिदिन की कमाई करने काषडयंत्र मात्र है। एड्स के भय को फैलाने और कंडोम से मोटी कमाई करने में एशियाई देशों में बढ़ती आबादी को रोकने के लिए वर्ल्ड हजार्डियस आर्गेनाइजेशन ने हीं इस प्रपंच का षड्यंत्र रुचकर एड्स नाम की काल्पनिक बीमारी को पैदा कर यह भय 1980 से सभी प्रसार माध्यमों पर फैलाना शुरू कर दिया था।

वैसे इस षड्यंत्र के पीछे विश्व शैतान संघ का छिपा षडयंत्र यह भी था कि एशियाई देशों में पारिवारिक संबंधों और मूल्यों को खत्म कर यौनाचार की उच्श्रृंखलता फैला कर आसानी से हिंदू धर्म को नष्ट किया जाए और ईसाइयत को बढ़ावा दिया जाए। इसमें वे पूर्णतया सफल रहे हिंदू धर्म के पारिवारिक मूल्यों को नष्ट कर उच्श्रृंखलता को बढ़ाने में वे सफल रहे। मेरे पाठकों को अब समझ में आ गया होगा कि एडस नाम की बीमारी क्या है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक- अजमेरा एस.पी. कुमार द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 299, अम्बेडकर नगर, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
भोपाल प्रतिनिधि- एस.के. भारद्वाज मो. 9074551045, इंदौर कार्यालय- 0731-2530859, मोबा. 9300755803